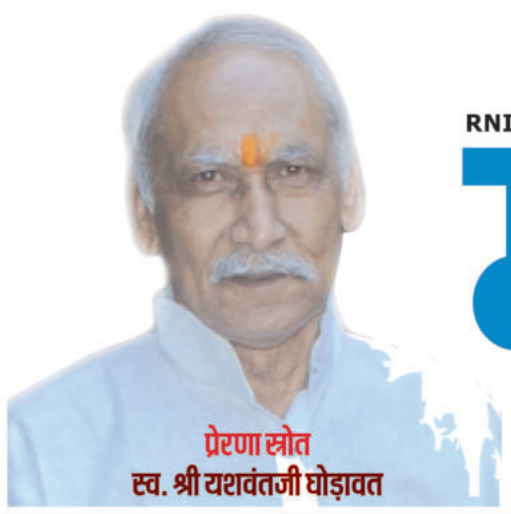
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

चाहे वह आपका शरीर हो, आपका मन हो या फिर आपकी जीवन ऊर्जा हो, आप इनका जितना ज्यादा इस्तेमाल करते है, ये उतने ही बेहतर होते जाते है।

सद्गुरू जग्गी वासुदेव

वर्ष-05, अंक - 50 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 14 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

ब्लॉस्ट की 8 वीं बरसी पर जनप्रतिनिधियों ने की रस्म अदायगी, आज भी नहीं भारे जख्म, खुद के जीवन को पटरी पर लाए पीड़ित

रतलाम से उठी मांग, बलॉस्ट में कलेक्टर, एसपी को बचा रहे शिवराज-पारस सकलेचा

माही की गूंज, पेटलावद।

12 सितंबर 2015 शनिवार सुबह-सुबह जिलेटिन रॉड से खाद के गोदाम में हुए ब्लास्ट में सरकारी आकडों में ही 78 लोगो की जान चली गई और 150 के लगभग लोग घायल हो गए थे। बितते समय के साथ इस भयावह घटना को 8 वर्ष बीत गये। ब्लास्ट के बाद मुख्यमंत्री सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित परिवार को हर सम्भव मद्दत देंने के दावे कर पीड़ितों के जख्मो पर मरहम लगाया था। दूसरी ओर विपक्ष ने पीड़ितों के लिए सरकार से कई बड़ी मांगे की थी। लेकिन जैसे-जैसे समय बिता पीड़ित परिवारो को अपने जीवन को खुद ही पटरी पर लाना पड़ा। 5 लाख की मामूली आर्थिक सहायता के अलावा सरकार द्वारा पीड़ितों को कोई दूसरी राहत नही दी गई। पीड़ित परिवार के एक सदस्य को नोकरी के नाम पर कुछेएक परिवारों को चतुर्थ श्रेणी की नोकरी मिली जिससे परिवार का भरण-पोषण तक मुश्किल हो गया। ब्लास्ट की आठवी बरसी पर स्थानीय जनप्रतिनिधि केवल रस्म अदायगी करते नजर आए और पीड़ितों के साथ अन्याय को लेकर कोई बड़ी मांग नही की। इस मामले में आरोपी बनाए गए सात आरोपी न्यायालय से बरी तक हो गए। जिससे सरकार की जांच पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस पर पक्षकार कुछ बोल नही पा रहा और विपक्ष अपनी मांगे तक भूल चुका है। वीआरएस लेकर चुनाव लड़ने की तैयारी में उतरे आदिवासी नेता बालूसिंह गामड़ ने इस मामले की फिर से जांच की मांग करते हुए प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारीयो की भूमिका तय करने की मांग की ओर सरकार की जांच पर सवाल उठाए, जिसके चलते इस भयंकर त्रासदी का कोई भी आरोपी सरकार को नही मिल पाया। पूरे मामले में स्थानीय कांग्रेस नेता सहित जिले के नेता मौन है। तो पेटलावद ब्लास्ट को लेकर बड़ी मांग रतलाम से उठी है जहां रतलाम शहर के पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने इस ब्लास्ट को लेकर आंकड़ों सहित सरकार को घेरा है।

8 साल में भी जांच रिपोर्ट को विधानसभा में नहीं रखा, शासन की कमजोर पैरवी से सातो आरोपी बरी-सकलेचा

पेटलावद ब्लास्ट जांच आयोग के न्यायमूर्ति आर्येन्द्र कुमार सक्सेना का जांच प्रतिवेदन 11 दिसम्बंर 2015 को मिलने के बाद भी 9 साल मे विधानसभा के पटल पर नहीं रखा गया। शिवराज सरकार कलेक्टर, एसपी को बचा रहे हैं। जांच आयोग के नाम पर जनता से बहुत बड़ी धोखाधडी की गई है। 2008 से 2021 तक सरकार ने 7 जांच आयोग बनाए। जिसमें से छः आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होने के 5 साल से 13 साल के बाद भी विधानसभा के पटल पर नहीं रखी गई । जबकि जांच आयोग अधिनियम की धारा 3(4) के तहत उसे 6 माह के अंदर विधानसभा के पटल पर रखना चाहिए । मंदसौर गोलीकांड की जैन आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में रखने की पिटीशन पर माननीय उच्च न्यायालय इंदौर में शासन ने अपने जवाब में कहा कि जांच आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने , विधानसभा के पटल पर रखने के लिए शासन बाध्य नहीं है । और शासन ने मंदसौर गोलीकांड की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखने से इनकार कर दिया । पेटलावद ब्लास्ट जांच आयोग बनाते समय शिवराज जी ने वादा किया था कि जो भी अपराधी है तथा जिन अधिकारियो की लापरवाही है , उन्है कठोर से कठोर दंड दिलाया जाएगा । क्या जांच आयोग जनता को धोखा देने के लिए बनाया गया था। 12 सितबंर 2015 को पेटलावद ब्लास्ट में 78 लोगों की मृत्यु के लिए जिम्मेदार अधिकारी कलेक्टर, एसपी, एसडीएम तथा एसडीओपी को बचाने के लिए जांच आयोग की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर नहीं रख रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को बचाने के लिए शासन द्वारा न्यायालय में प्रकरण की पैरवी कमजोर तरीके से की गई और सातों आरोपी बरी हो गए। शासन की कमजोर पैरवी का आरोप गृह विभाग द्वारा गठित एस आइटी की मुखिया सीमा मेडम ने भी लगाया।

78 व्यक्तियों की मौत की सजा मात्र 16 सौ रूपये

यह बड़ा आश्चर्यजनक है कि, पूरे घटनाक्रम में मात्र थाना अधिकारी शिवजी सिंह की रिटायरमेंट के पहले 16 सौ रूपये की एक वेतन वृद्धि रोकी गई। जबकि थाना अधिकारी ने स्पष्ट आरोप लगाया कि, उन्हें मोहरा बनाया जा रहा है और कलेक्टर और एसपी को बचाया जा रहा है। पूर्व विधायक सकलेचा ने पेटलावद ब्लास्ट की आठवीं बरसी पर दुर्घटना में मारे गए सभी मृतको को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवारो के लिए न्याय की मांग की।

आखिर कहा है कांग्रेस के विधायक, मरने वालों में ज्यादातर आदिवासी तो कहा गए सांसद

रतलाम से उठी मांग के बाद बड़ा सवाल उठ रहा है कि, आखिर जिले के तीन-तीन कांग्रेस विधायक कहा गए जो आज तक बड़े स्तर पर इस त्रासदी की भरपाई और दोषियों को सज़ा दिलवाने की मांग नही कर पाए। वही सांसद बने गुमानसिंह डामोर ने भी अपने सांसद बनने के बाद से आज तक इन ब्लास्ट पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्या और सरकारी और सरकार के दावों के कितने पूरे हुए की जानकारी तक नही जुटाई। आदिवासी वोट बैंक पर राजनीति करने वाली सरकार, आदिवासी संगठन और विपक्ष सब इस मुद्दे पर मौन है जबकि इस ब्लास्ट में मरने ओर घायलों के आकड़ो में सबसे ज्यादा प्रभावित आदिवासी वर्ग है।

मैंने राजनीति से नहीं लिया संन्यास, लड़ूंगी अगला चुनाव– उमा भारती

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कहा है कि उन्होंने राजनीति नहीं छोड़ी है और वह अगला चुनाव लड़ेंगी। मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सागर जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि, उन्होंने केवल पांच वर्ष का ब्रेक लिया क्योंकि वह लंबे समय से काम कर रही थीं। उन्होंने कहा, 'मैंने (पिछली बार) चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था क्योंकि मैं लंबे समय से काम कर रही थी। मैंने पांच साल के लिए ब्रेक लेने के बारे में सोचा। लोगों ने सोचा कि मैंने राजनीति छोड़ दी है, लेकिन मैं यह कहते-कहते थक गई हूं कि मैंने राजनीति नहीं छोड़ी है।'

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन समेत कई विकास कार्यों का हवाला देते हुए भारती ने कहा कि, जब वे राजनीति में थीं तब ये परियोजनाएं हकीकत बने। बीजेपी नेता ने कहा, 'चाहे मैं 75 वर्ष की हो जाऊं या 85 वर्ष की, मैं राजनीति में सक्रिय रहूंगी और अगला चुनाव लड़ूंगी। मुझे राजनीति बहुत पसंद है।' उन्होंने कहा कि राजनीति को उन लोगों ने बर्बाद कर दिया है जो इसे विलासिता का साधन मानते हैं।

मध्य प्रदेश में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि अगले साल लोकसभा चुनाव होंगे। भारती ने आखिरी बार 2014 में झांसी (उत्तर प्रदेश) से लोकसभा चुनाव लड़ा था और जीतने के बाद केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में केंद्रीय मंत्री बनीं। इस महीने की शुरुआत में, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री भारती ने तीन सितंबर को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा शुरू की गई बीजेपी की 'जन आशीर्वाद यात्रा' में आमंत्रित नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी। पिछले दिनों भारती ने राज्य में कड़ी शराब नीति की मांग को लेकर एक अभियान भी चलाया था और विरोध स्वरूप कुछ शराब की दुकानों पर पथराव किया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भोपाल, ओरछा और छिंदवाड़ा में विभिन्न शराब की दुकानों पर विरोध प्रदर्शन किया। शराब नीति में संशोधन की मांग को लेकर वह एक मंदिर में भी रुकी थीं। अगस्त के आखिरी हफ्ते में, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान भारती के भतीजे और खड़गपुर (टीकमगढ़ जिले) से विधायक राहुल सिंह लोधी को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया है।

विधानसभा चुनावः आज एमपी और छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे और दोनों राज्यों को कई परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि वह एमपी के बीना में एक कार्यक्रम से मध्य प्रदेश में 50 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। परियोजनाओं में बीना रिफाइनरी में एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और राज्य भर में 10 नई औद्योगिक परियोजनाएं शामिल हैं।

इसके बाद वह लगभग 6 हजार 350 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण रेल क्षेत्र की परियोजनाओं की सौगात देने के लिए पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ जाएंगे। दोनों राज्यों में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। कार्यक्रम के दौरान वह छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक की आधारशिला रखेंगे और एक लाख सिकल सेल परामर्श कार्ड भी वितरित करेंगे।

पीएमओ ने एक बयान में कहा कि मध्य प्रदेश में नई परियोजनाएं राज्य में औद्योगिक विकास को एक नया प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की अत्याधुनिक बीना रिफाइनरी, जिसे लगभग 49,000 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा, लगभग 1,200 केटीपीए (किलो-टन प्रति वर्ष) एथिलीन और प्रोपलीन का उत्पादन करेगी। जो कपड़ा, पैकेजिंग और फार्मा जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए कि महत्वपूर्ण कंपोनेंट (घटक) है।

इससे देश की आयात निर्भरता कम होगी और यह प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह मेगा प्रोजेक्ट रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और पेट्रोलियम क्षेत्र में डाउनस्ट्रीम उद्योगों के विकास को बढ़ावा देगा। कार्यक्रम के दौरान, मोदी 10 परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे, जिनमें नर्मदापुरम जिले में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र, इंदौर में दो आईटी पार्क, रतलाम में एक मेगा औद्योगिक पार्क और पूरे मध्य प्रदेश में छह नए औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में रेलवे की महत्वपूर्ण परियोजनाओं के उद्घाटन से देश भर में कनेक्टिविटी में सुधार आएगा। परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ पूर्व रेल परियोजना चरण- पु, चंपा से जामगा के बीच तीसरी रेल लाइन, पेंड्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन और तलाईपल्ली कोयला खदान को एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एसटीपीएस) से जोड़ने वाली एमजीआर (मेरी-गो-राउंड) प्रणाली शामिल है। रेल परियोजनाएं यात्रियों की आवाजाही के साथ-साथ माल ढुलाई को सुविधाजनक बनाकर सामाजिक आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी।

प्रशासन अभी से ही अपने पूरे चुनावी रंग में है...

अभी चुनावी आचार संहिता लगी नहीं और प्रशासन भाजपा की जन आशिर्वाद यात्रा का होर्डिंग हटा दिया

माही की गूंज झाबुआ, मुज्जमील मंसुरी

जिला प्रशासन वैसे तो अपनी कई कारगुजारियों के चलते सुर्खियों में रहता ही है, लेकिन इस बार कुछ हटकर उसने उंगली की है। प्रशासन द्वारा की गई यह उंगली कहीं अधिकारियों को ही भारी ना पड़ जाए। क्योंकि विधानसभा 2023 के चुनाव सर पर है और राजनीतिक पार्टियों में सर चढ़कर बोल रहा है। हालांकि अभी विधानसभा चुनावों की अधिकारिक घोषणा निर्वाचन आयोग ने नहीं की है, जिस दिन निर्वाचन आयोग चुनाव की घोषणा करेगा उसी समय से आचार संहिता लागू हो जाएगी। मगर इसके पहले ही प्रशासन ने कुछ ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि, वह अब राजनीतिक दल के निशाने पर आकर खड़ा हो गया है। हुआ कुछ यूं कि, कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर में भाजपा की जन आशिर्वाद यात्रा के प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग लगाए गए थे। जिसे प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए हटवा दिया। कलेक्टोरेट परिसर में लगे इस होर्डिंग में केंद्र व प्रदेश सरकार के कई नेताओं और मंत्रियों के फोटो लगे हुए थे। बताते है प्रशासन के आला अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई है। मतलब प्रशासन अभी से ही अपने पूरे चुनावी रंग में नजर आ रहा है।

बताया यह जा रहा है कि, भाजपा इन दिनों प्रदेश भर में जन आशिर्वाद यात्रा निकाल रही है। इस यात्रा के जरिए सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। हालांकि अभी जिले में भाजपा की यह जन आशिर्वाद यात्रा पहुंची नहीं है। 15 सितम्बर को यह जिले में पहुंचेगी। जिसकी तैयारियां जिला भाजपा द्वारा भी जोर-शोर से की जा रही है। इसी के चलते कलेक्टोरेट परिसर में इस यात्रा और सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक होर्डिंग लगाया था। इस होर्डिंग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गी, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा सहित कई बड़े नेताओं के फोटो लगे थे। इस होर्डिंग में सरकारी योजना का प्रचार करते हुए ''गरीब कल्याण, महा अभियान'' के नारे के साथ लिखा था कि, ''3.62 करोड़ लोगों को मिला आयुषमान, स्वस्थ निरोग जीवन का वरदान''। होर्डिंग

के नीचले हिस्से में कमल का फूल था जिसके पास लिखा था ''जन आशिर्वाद यात्रा'' और अंत में लिखा था ''फिर इस बार भाजपा सरकार''। 15 सितम्बर को झाबुआ पहुंचने वाली जन आशिर्वाद यात्रा को लेकर जिला भाजपा जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसी तैयारी के तहत यात्रा को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू ने कल ही प्रेसवार्ता की थी। इस प्रेसवार्ता में उन्होने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए धर्मांतरण जैसे मुद्दे भी उठाए थे। इस समय प्रदेश में भाजपा की शिवराज सरकार है और केंद्र में भी भाजपा की ही मोदी सरकार है। बावजूद इसके कलेक्टोरेट परिसर में लगा ''जन आशिर्वाद यात्रा'' व सरकारी योजना का प्रचार-प्रसार वाले होर्डिंग प्रशासन द्वारा हटाया जाना किस ओर इशारा कर रहा है...? प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई ने कई सवाल बाजार में चर्चाओ के लिए छोड़ दिए है। अभी जबकि प्रदेश में निर्वाचन विभाग द्वारा विधानसभा चुनावों की कोई अधिकारिक घोषणा नही की गई है। जब घोषणा नही हुई है तो फिर आचार संहिता लगने का तो सवाल ही नहीं उठता। तो फिर प्रशासन ने भाजपा सरकार की सरकारी योजना के प्रचार-प्रसार व जन आशिर्वाद यात्रा के होर्डिंग को लेकर इस तरह की कार्रवाई क्यों की...? प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई कहीं इस तरफ कोई ऐसा संकेत तो नहीं जो अपनी नाव बदलने की तैयारी कर रहा हो...? क्या सरकारी तंत्र कहीं तखता पटल की तैयारी तो नहीं कर रहा है...? या फिर इस तरह की कार्रवाई महज एक इत्तेफाक है...? इस तरह के कई सवाल है जो प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई के बाद बाजार में गर्मा गए है। इधर जिला भाजपा की ओर से प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई पर नाराजगी जताई जा रही है। जिलाध्यक्ष और प्रवक्ता के दिए गए वक्तव्यकुछ ऐसे है कि, प्रशासन ने जो कार्रवाई की है वह सरासर गलत है। हमें इस पर आपत्ती है। जनकल्याणकारी योजना का प्रचार-प्रसार किये जाने में प्रशासन को आपत्ती नहीं होना चाहिए। अभी चुनाव की आचार संहिता नहीं लगी है, आचार संहिता के बाद प्रशासन इस तरह की कार्रवाई करता तो हमें कोई आपत्ती नहीं होती। इस बारे में प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा की जाएगी। इस पूरे घटना क्रम के बाद प्रशासन की तरफ से किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया या सफाई अब तक देखने को नही मिली है।

आम चुनाव से पहले 5 लाख गांवों में 1000 साधु संत

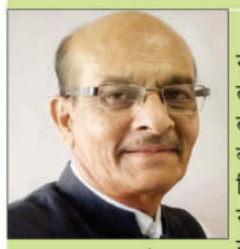

सनत कुमार जैन

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लोकार्पण और लोकसभा के चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक बड़ी रणनीति तैयार की है। इस रणनीति के अनुसार नवंबर माह के पहले सप्ताह से विश्व हिंदू परिषद द्वारा समर्थित भारतीय संत समिति और अखाड़ा परिषद के 1000 से ज्यादा संत 5 लाख गांवों में जाकर राम मंदिर निर्माण लोकार्पण एवं चुनाव को ध्यान में रखते हुए सियासी धार्मिक ध्रुवीकरण करने का प्रयास करेंगे। इसके लिए 2 नवंबर से विधिवत कार्यक्रम बनाया गया है। ?जिन साधु-संतों को इस काम में लगाया जा रहा हैं, वह पहले उन राज्यों में जाएंगे, जहां पर विधानसभा चुनाव है। उसके बाद उन राज्यों में जाएंगे, जहां पर सबसे ज्यादा हिंदू आबादी है। 2 नवंबर को 495 महामंडलेश्वर काशी पहुंच रहे हैं। चुनाव के पहले धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण तैयार करने के लिए राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के बलदानियों की मुक्ति के लिए मोक्ष यज्ञ किया जाएगा। 3 नवंबर को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में संस्क?ति संसद का आयोजन होगा। इस आयोजन में मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर तथा 1000 से अधिक साधु-संत शामिल होंगे। 4 नवंबर को 40 पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित लोगों को भी बुलाया गया है। 5 नवंबर को युवा सांसद होगी, इसके बाद संत चले गांव की ओर कार्यक्रम का शंखनाद कर दिया जाएगा।

संत समिति के महामंत्री जितेंद्र आनंद सरस्वती के अनुसार यह यात्रा काशी से शुरू होगी। देश के 550 जिलों के 5 लाख से अधिक गांवों में साधु-संत जाएंगे। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के लोकार्पण समारोह के लिए सभी 5 लाख गांव एवं शहरों के मंदिरों को सजाया जाएगा, रोशनी की जाएगी।

सभी हिन्दू धार्मिक स्थलों में पूजा-पाठ, यज्ञ और कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राम मंदिर के नाम पर धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की जो कोशिश की जा रही है, इसमें भारतीय जनता पार्टी कितनी सफल होगी, कहना मुश्किल है। पिछले 10 वर्षों से केंद्र में भाजपा की सरकार है। हिंदी भाषी राज्यों में भी भाजपा की सरकारें लंबे समय से हैं। गुजरात में लगभग 27 वर्षों से भाजपा की सरकार है। राम मंदिर भी बन चुका है। ध्रुवीकरण की राजनीति में अब हिंदुओं को हिंदुओं के बीच बांटा जा रहा है। हाल ही में तमिलनाडु में जिस तरह से सनातन धर्म के बारे में बातें कही हैं, उसमें 50 फीसदी से ज्यादा हिंदू जो दलित और आदिवासी समुदाय से आते हैं, वह सनातन धर्म को नहीं मानते हैं। सबके अलग-अलग धर्म और अलग-अलग आस्था है। जिस तरह से धार्मिक ध्रुवीकरण को बनाने के लिए साधु-संतों को आगे किया जा रहा है। सनातन धर्म के मंदिरों में यज्ञ, पूजा-पाठ और कथा-कीर्तन इत्यादि होंगे। हिंदू समाज जो दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग का है, उसको भारतीय जनता पार्टी किस तरीके से अपने साथ जोड़कर रख पाएगी, यह कहना मुश्किल है। संभावनाओं के आधार पर सभी अपना-अपना काम करते हैं। मंडल और कमंडल की नई राजनीति देश में अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है। बिहार में जातिगत जनगणना हो चुकी है। अधिकांश राजनैतिक दल जातीय एवं धार्मिक आधार पर जनगणना की मांग कर रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जातीय समीकरण को देखते हुए साधु-संतों की इस तरह की सक्रियता, चुनाव को ध्यान में रखकर की जा रही है, तलवार की धार में चलने के समान है। भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस स्थिति पर लगता है, गंभीरता से विचार नहीं किया है। समय रहते हुए यदि हिंदुओं के वोट बैंक को एकजुट रखना है, तो यह तरीका शायद मुफीद साबित नहीं होगा। दलित एवं आदिवासियों के देवी-देवता अलग हैं। उनकी मान्यता और आस्था भी अलग-अलग है।

यूथ गेम्स चयन स्पर्धा सम्पन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करने, खेल को सर्व सुलभ बनाने, प्रतिभावान खिलाडियों की पहचान ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों से करने व उन्हें खेलों का आधुनिक तकनीकी पद्धति से प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु ''खेलो इण्डिया यूथ गेम्स'' का आयोजन किया जा रहा है। यह युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशा के तहत विकासखण्ड, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जा रहा हैं।

खेलो एमपी यूथ गेम्स से जहां एक ओर पूरे प्रदेश में खिलाडियों को प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं प्रदेश में खेलों का लोक व्यापीकरण होगा तथा युवाओं की खेलों में व्यापक स्तर पर भागीदारी होगी। इसी उद्देश्य से झाबुआ विकासखण्ड के 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाडियों की चयन स्पर्धा का आयोजन 12 सितम्बर को किया गया। बहुउद्देशीय खेल परिसर झाबुआ, शा. महाविद्यालय झाबुआ, जय बजरंग व्यायाम शाला झाबुआ, इन्दौर पब्लिक स्कूल झाबुआ, शारदा विद्या मंदिर झाबुआ एवं रोटरी हॉल झाबुआ में कबड्डी, टेबल-टेनिस, बैडमिन्टन, शतरंज, बाक्सिंग, एथलेटिक्स, खो-खो, फुटबाल, व्हालीबाल, बास्केटबाल, तैराकी, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, योगासन खेल में किया गया। जिसमें लगभग 350 बालक और बालिका खिलाडियों ने सहभागिता की एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये झाबुआ विकासखण्ड के दल का चयन आयोजित सभी खेलों में चयन समिति द्वारा किया गया।

विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन में डॉ. विद्या चैहान, कोमल बारिया, श्रीमती अर्चना राठौर, नरेशराज पुरोहित, जिमी निर्मल, संजय डांगी, वीरेन्द्र गणावा, धर्मेश बामनिया, शिफाली मसीह, अवलोक शर्मा, जयन्तीलाल परमार आदि का सहयोग रहा। विकासखण्ड स्तरीय चयन स्पर्धा में चयनित खिलाडी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेगें ।

आगामी त्यौहारों को लेकर एसपी श्री जैन ने रखी बैठक

माही की गूंज, पारा।

आगामी त्यौहारों को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक अगम जैन के मार्गदर्शन में पारा पुलिस चौकी पर बैठक रखी गई। बैठक में पारा व आसपास के गणमान्य नागरिको को भी बुलाया गया व गांव के कुछ पत्रकार को सूचना दी गई। अगम जैन ने आम लोगों को त्योहारों पर होने वाले कार्यक्रम में ध्यान देने को कहा और कार्यक्रम के आयोजन कर्ताओ को समझाया कि, चोरी, लूट आदि घटनाओं पर गांव वालों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए। दहेज प्रथा को लेकर भी जोर दिया गया और कहा 36 गांव के बीच सिर्फ 11 पुलिस कर्मी है, सहयोग की अपेक्षा रखी। बाल विवाह आदि बिंदु पर ध्यान दिया गया। छेड़छाड़ मामले में स्कूल लगाते समय व छुट्टी होते समय पुलिस को तैनात रहने को कहा।

पारा चौकी पर भाज़गडी प्रथा नहीं होना चाहिए

जैन ने कहा, पारा चौकी में आपकी सुनवाई नहीं होती है तो आप झाबुआ शिकायत कर सकते हो या फिर 100 डायल कर शिकायत कर सकते हो। चौकी प्रभारी कोहली साहब को शक्ति से वाहन चेकिंग, चालानी कार्यवाही, गांव की ट्रैफिक व्यवस्था, अवैध कारोबार, सट्टा-जुआ आदि के विरूद्ध शक्ति से कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

शिकायत पर खवासा में पकड़ा 116 किलो मावा

माही की गूंज, झाबुआ।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा पुलिस चौकी खवासा से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्यवाही के दौरान जोधपुर से आया 116 किलोग्राम मावा जप्त किया गया। कार्यवाही में 11 सितम्बर को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर एक वाहन में जोधपुर से खवासा मावा लाया जाना बताया गया। जिसे चौकी खवासा द्वारा चेकिंग के दौरान रोका गया एवं वाहन में मावा होने की पुष्टि पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन जिला झाबुआ को दूरभाष पर सूचित किया गया। इसके पश्चात खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा द्वारा ग्राम खवासा में पहुंचकर वाहन से मावा के नमूने लिए गए हैं तथा शेष मावे को जप्त कर लिया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि, मावा के नमूने को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जिसकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात प्रकरण में आगे की कार्यवाही की जाएगी।

अवैध उत्खनन: एक डम्पर ज़प्त

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के अवेध उत्खनन परिवहन पर कार्यवाही के निर्देशों के अनुक्रम में प्रभारी खनि अधिकारी आशा परमार के मार्गदर्शन में शंकर कनेश खनि निरीक्षक झाबुआ द्वारा मगंलवार को विभागीय अमले के साथ आकस्मिक भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान रानापुर-झाबुआ रोड पांडलवा में डंपर क्रमांक एमपी 13 एच 1364 मुरम अवेध उत्खनन परिवहन में संलिप्त पाए जाने से जप्त कर थाना प्रभारी रानापुर की अभिरक्षा में रखा गया।

खनिज विभाग द्वारा इसी के साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में कलेक्टर के निर्देशन में अवेध उत्खनन परिवहन तथा भंडारण पर निरन्तर प्रभावी कार्यवाही कर महज़ 5 माह में कुल 78 प्रकरण दर्ज कर 1 करोड़ से अधिक अर्थदंड राशि वसूल की गई।

वार्ड में सघन लार्वा सर्वे एवं फॉगिग

माही की गूंज, झाबुआ।

वर्षा ऋतु के बाद सामान्यतः मच्छर जनित बीमारी जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुन्या इत्यादि के संभावित प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए, वाहक रोगों से बचाव एवं नियंत्रण हेतु झाबुआ शहर के वार्ड क्र. 12, गोपाल कॉलोनी एवं वार्ड 9 कुरेशी कम्पांउड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्वे किया गया। सर्वे दल में शामिल सर्वलेंस वर्कर राजेन्द्र हुरमाले, शहरी आशा श्रीमती प्रवीणा परमार, फील्ड वर्कर नारायण वसुनिया एवं रमेश भूरिया द्वारा वार्ड के प्रत्येक घरों में जाकर लार्वा सर्वे एवं फॉगिंग कार्य कर वाहक रोगों के प्रसार पर नियंत्रण की कार्यवाही की गई। दल द्वारा वार्ड के रहवासियों के घरो में एक सप्ताह से अधिक भरे पानी के कंटेनरों एवं बर्तनों को खाली करवाया गया एवं पॉजीटीव पाए जाने पर कीटनाशक डाला गया। घर-घर जाकर घरों के आस-पास जमा पानी की निकासी, वर्षा उपरांत बने मच्छर प्रजनन स्थलों में कीटनाशक डालकर मच्छर जनित परिस्थितियों को समाप्त किया गया। वार्ड के रहवासियों को समझाईश दी कि, अपने घरों में मच्छर जाली लगवाए, पूरी बांह के कपड़े पहने, रात एवं दिन में सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करे, अपने घरों के आसपास जमा पानी को पाट दे या जला हुआ ऑयल डाले। इसके साथ ही घर के किसी भी सदस्य को बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या अस्पताल जाकर खून की जाँच कराने को कहा गया।

विश्व साक्षरता दिवस अंतर्गत सम्मान समारोह आयोजित

माही की गूंज, झाबुआ।

विकासखण्ड थांदला में एसडीएम तरुण जैन की उपस्थिति में विश्व साक्षरता दिवस अभियान अंतर्गत सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। साक्षरता अभियान में अपना सहयोग प्रदान करने पर एसडीओपी एवं पुलिस विभाग का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में सभी संकुल, सह समन्वयक एवं बीआरसी, बीईओ एवं जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

एसडीओपी श्री राठी द्वारा बताया गया कि, साक्षरता अभियान में हमारे विभाग की ओर से जो भी सहायता हो सकेगी हम पूरी तरह से करने का प्रयास करेंगे। इस अभियान में हर विभाग की अपनी जिम्मेदारी है और उस जिम्मेदारी का निर्वहन कर हम अपने जिले को साक्षर बना पाएंगे। कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी द्वारा अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओ की योग्यता को बनाए रखते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांति पूर्वक निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए निर्भीक्त होकर धर्म, वर्ग, जाति, भाषा एवं अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में एसडीओपी रविंद्र राठी, जिला प्रोड़ शिक्षा अधिकारी जगदीश सिसोदिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी स्वरूप नारायण श्रीवास्तव, थांदला बीआरसी संजय सिकरवार, थांदला ब्लॉक साक्षरता प्रभारी अनिल शर्मा, सह समन्वयक बलवीर सिंह, सह समन्वयक राकेश डाबी, नियाज जन शिक्षक राजमहल राठौर एवं थांदला ब्लॉक के सभी सह समन्वयक उपस्थित थे।

आयुष्मान भवः अभियान का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, झाबुआ।

17 सितंबर से 31 दिसंबर 2023 तक चलने वाले आयुष्मान भवः अभियान के अंतर्गत सेवा पखवाड़ा, आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान मेला एवं आयुष्मान सभा का आयोजन किया जाना है। सेवा पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 तक किया जाएगा। इस दौरान आयुष्मान भवः अभियान, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर एवं अंगदान अभियान का आयोजन किया जाएगा। आयुष्मान आपके द्वार 3.0 का विशेष अभियान 17 सितंबर से संचालित करते हुए समस्त पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे।

आयुष्मान मेलों का आयोजन उपस्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में किया जाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित होने वाले आयुष्मान मेले में चिकित्सा महाविद्यालय के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा सेवाएं दी जाएगी। आयुष्मान मेलों का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाना जिससे स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वास्थ्य संवर्धन, जांच कर बीमारियों की पहचान की जा सके। जनसमुदाय के मध्य विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल, टीबी, टीकाकरण, आभा आईडी की जानकारी को पहुंचाए जाने हेतु आयुष्मान सभा का आयोजन 2 अक्टूबर 2023 को प्रत्येक ग्राम पंचायत में किया जाएगा।

पति को खो चुकी लाडली बहना को दो साल बाद भी नहीं मिली उपादान की राशि

क्या नगर परिषद को नहीं शासन के नियमों की जानकारी, उपर से मांगते है सलाह

माही की गूंज, पेटलावद।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश की महिलाओं को लाडली बहना ओर भांजिया बोलकर उनके लिए तरह-तरह की योजनाओं का दावा करते हैं। लेकिन उसके विपरीत मुख्यमंत्री की सरकारी मशीनरी लाडली बहनों के हक अधिकारों के लिए वर्षो तक सरकारी कार्यालयों के चक्कर कटवाते है। मामला नगर परिषद पेटलावद का जहा मुकेश पिता शंकरलाल अटकान जो कि, नगर परिषद में सफाई संरक्षक के पद पर स्थाईकर्मी के रूप में पदस्थ होकर 22 जनवरी 2021 में निधन हो गया। शासन की योजना अनुसार स्थाईकर्मी की पत्नी को उपादान की राशि लगभग साढ़े तीन लाख रुपये मिलना थे। पति के निधन के बाद मृतक कर्मचारी की पत्नी तारा अतकान विगत दो वर्षो से नगर परिषद कार्यालय के चक्कर इस राशि के भुगतान के लिए लगा रही है लेकिन आज दिनांक तक राशि का भुगतान नही हुआ। महिला बीते दो वर्षो से लगातार आवेदन दे रही है लेकिन परिषद के जिम्मेदार महिला के आवेदन पर उच्च अधिकारियों से सलाह लेने का पत्र भेज कर इतिश्री कर लेते है। मृतक कर्मचारी की पत्नी तारा अटकान सयुक्त संचालक इंदौर को पत्र लिखकर बताया कि, पति की मृत्यु के दो साल बाद भी परिषद की और से एक भी रुपये का सहयोग नही मिला। इस सम्बध में जब परिषद में आवेदन दिया तो सीएमओ द्वारा सयुक्त संचालक इंदौर का मार्ग दर्शन चाहा गया। जबकि सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के आदेश के अनुसार उपादान राशि का भुगतान मृत कर्मचारी के परिवार को सहायता राशि एवं अन्य सहयोग दिए जाने का प्रावधान है, जिसके बावजूद इसका लाभ नही मिला।

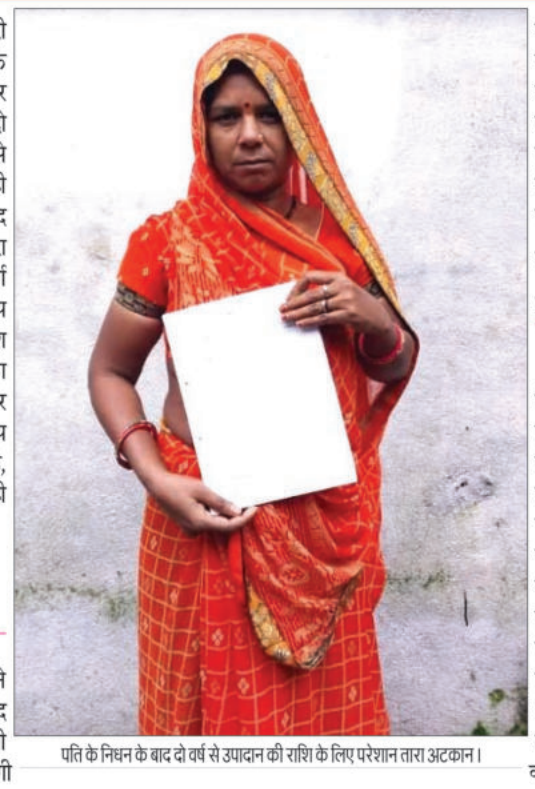

पति के निधन के बाद दो वर्ष से उपादान की राशि के लिए परेशान तारा अटकान।

आर्थिक तंगी से जूझ रहा गरीब दलित परिवार

आवेदक तारा अटकान ने बताया कि, पति की मृत्यु के बाद दो साल से परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। दैनिक वेतन भोगी के रूप में नगर परिषद में पदस्थ तारा अटकान को मिलने वाले मामूली वेतन से परिवार का गुजर बसर नही हो पा रहा है। महिला के परिवार में दो छोटे बच्चे भी है जिनकी जिम्मेदारी भी अब तारा पर ही है।

मुख्यमंत्री बड़ा चुके है उपादान राशि

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्थाई कर्मियों की सेवा समाप्त होने और नोकरी काल मे मरने के बाद मिलने वाली उपादान की राशि बड़ा चुके हैं। पहले ये राशि दो लाख रुपये थी जो बढ़कर साढ़े तीन लाख तक की जा चुकी हैं। ज्यादातर गरीब तबके के कर्मचारियों को इसकी जानकारी नही होती ओर जानकारी मिलने पर इस प्रकार से राशि के भुगतान के लिए परेशानी उठानी पड़ती हैं। इस मामले में भी मृतक कार्मचारी की पत्नी ने 27 जून 2023 को उपादान की राशि के लिए सीएमओ को आवेदन जिस पर सीएमओ ने 17 जूलाई 2023 को एक पत्र सयुक्त संचालक इंदौर को भेज कर उचित मार्गदर्शन मांगा है।

कर्मचारी कल्याण संघ ने की शिकायत

भारतीय सफाई कर्मचारी कल्याण संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेशचन्द्र अटकान ने नगर परिषद पेटलावद से स्थाईकर्मीयो के हित व अधिकारों की जानकारी चाही गई थी लेकिन सीएमओ ने इसकी जानकारी नही दी। रमेशचंद्र अटकान ने बताया कि, नगर परिषद सीएमओ को दिनांक 27 जून 2023, 13 जूलाई 2023 व 8 अगस्त 2023 को पत्र लिखकर जानकारी चाही गई, लेकिन सीएमओ ने इसका कोई उत्तर नही दिया। अटकान ने बताया कि, मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के स्पष्ट आदेश है कि, कल्याण संघ के पत्रों का अनिवार्य रूप से जबाब दिया जाये लेकिन सीएमओ पेटलावद से जानकारी नही दी जा रही।

क्या पारा पुलिस आम जनता से डरती है...?

पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था को नजर अंदाज करने के चलते आम जन को उठानी पड़ती है परेशानी।

माही की गूंज, पारा। गजेंद्र चौहान

पुलिस चौकी गांव के बाहर होने के कारण पारा पुलिस दिन में गांव के अंदर राउंड नहीं लगती। पुलिस जवान गांव में आते भी है तो खुद अपने निजी काम के लिए अपना काम करके चले जाते हैं। जवान तो जवान स्वयं चौकी प्रभारी भी राउंड नहीं मारते। गांव के अंदर गली-चौराहे पर कैमरे लगे हुए हैं खंगाल कर देखो तो पता चल जाएगा की पारा पुलिस गांव के अंदर राउंड लगाती है या नहीं और नहीं पुलिस पॉइंट बना हुआ है यह तो आड़े दिनों की बात है गुरुवार हाट बाजार के दिन भी पारा पुलिस गांव में नहीं घूमती। पुलिस के नदारत रहने से बदमाशों के हौसला बुलंद होते जा रहे है, दिन में ही बदमाश घटना को अंजाम दे जाते हैं।

पिछले गुरुवार स्थानीय बस स्टैंड पर अच्छा खासा जाम लगा हुआ था। शिकायत पर पारा चौकी से दो जवान स्थानीय बस स्टैंड पर लगा जाम हटाने के लिए आए थे। गूंगे-बहरे की तरह आकर खड़े हो गए, पुलिस जवान लोगों को पपोलते हुए हटाने लगे। जब किसी ने नहीं सुनी तो दोनों जवान वापस रवाना होने लगे। जब माही की गूंज प्रतिनिधी फोटो खींचने गया तो प्रतिनिधि को देखकर दोनों जवान वापस पलटकर अपनी पुलिसिया कार्रवाई दिखाई और जमीन पर ताबड़तोड़ डंडे ठोकने लगे तथा वहां से सभी को हटाया। ठेले पर व्यापार करने वाले व्यवसाय भी इधर-उधर सरकने लगे। पुलिस ने अपनी कार्रवाई दिखाई जब जाकर जाम हटा। पुलिस के जाने के बाद वापस स्थिति वही की वहीं रह गई। दूसरे दिन वर्तमान चौकी प्रभारी कोहली भी बस एजेंट के द्वारा लाउडस्पीकर में बोलकर सभी को यहां से वाहन हटाने को कहा गया। किसी ने भी चौकी प्रभारी के निर्देश नहीं माना, आज भी स्थिति वही की वही है। इसका मतलब यह हुआ कि, या तो पुलिस आम लोगों से डरती है या फिर पुलिस कठोर कार्रवाई नहीं करना चाहते।

राम भरोसे चल रही थी कालीघाटी की हाई स्कूल, जांच के दौरान नदारत मिले 5 शिक्षक

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड के बरवेट संकुल के अंतर्गत प्राइमरी, मिडिल व हाई स्कूलों में गुणवतापूर्ण शिक्षा देने व शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए स्कूलों का निरीक्षण विगत दिनों अधिकारीयो के एक दल ने किया। खंण्ड शिक्षा अधिकारी राकेश यादव के साथ बरवेट संकुल के प्राचार्य मोतीराम मालवीय ने स्कूलों की जांच की इस दौरान क्षेत्र की स्कूलों में कई प्रकार की कमियां पाई गई। जांच के दौरान सबसे अधिक चौकाने का मामला हाई स्कूल कालीघाटी में मिला। जहाँ जांच के दौरान पांच शिक्षक बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। खण्ड शिक्षा अधिकारी राकेश यादव ओर संकुल प्राचार्य मोतीराम मालवीय ने मौका पंचनामा बनाया। कालीघाटी के अनुपस्थिति पांच शिक्षकों पर इन प्राचार्य ने शोकॉज नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि, गत वर्ष भी कालीघाटी स्कूल में भारी लापरवाही बरती गई थी और यहां दसवीं का परिणाम शून्य प्रतिशत रहा था।

अ.भा. मजदूर संघ की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक होगी आयोजित

माही की गूंज, पेटलावद।

वनवासी कृषि एवं ग्रामीण मजदूर महासंघ झाबुआ के नेतृत्व में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकरणी की बैठक 21 एवं 22 सितंबर को पेटलावद के गायत्री शक्ति पीठ पर होगी। संघ के इंदौर संभाग प्रभारी सोमजी भूरिया ने बताया कि, उक्त बैठक के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व से पिछले अधिवेशन में झाबुआ जिले में रखने की मांग की थी जिसकी स्वीकृति के बाद जिले के पेटलावद को इस बैठक के स्थान के लिए सुनिश्चित किया गया ओर 21 व 22 सितंबर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकरणी की बैठक आयोजित की जा रही हैं। उक्त बैठक में मुख्य अतिथि जयंतीलाल राष्ट्रीय प्रभारी अ.भा. मजदूर संघ, विशिष्ट अतिथि सुनील किरवई क्षेत्रीय मंत्री मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़, जितेंद गुर्जर संगठन मंत्री मजदूर महासंघ, भागचंद उइके अध्यक्ष प्रवासी श्रमिक आयोग, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, सजंय सिंह प्रदेश अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ भोपाल, कार्यक्रम की अध्यक्षता मथुर भाई मालिवाड राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा.व.ग्रा. मजदूर संघ की उपस्थिति में आयोजित होगा। सोमजी भूरिया ने बताया कि, बैठक में मध्यप्रदेश के कई जिलों सहित अन्य राज्यो से भी प्रतिनिधि उपस्थित होकर बैठक में भाग लेंगे।

करड़ावद ग्राम पंचायत में हुआ एक और बड़ा भ्रष्टाचार उजागर

बिना वारिशों की जानकारी के कर दिए गए भवन नामांतरण, आपत्ति के बाद भी नहीं दी गई ग्राम पंचायत द्वारा सूचना

माही की गूंज, करडावद।

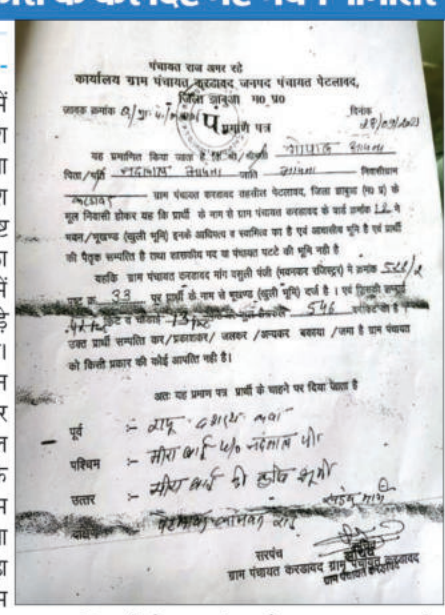

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतो में बिना कार्य किये बड़ी मात्रा में राशि आहरण के पचासों मामले सामने आ चुके हैं। किसी भी मद में आने वाली राशि के लिए कितने की कड़े नियम हो भ्रष्ट कैसे भी करके शासकीय राशि पर डाका डाल देते हैं। विगत दिनों ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना में भी बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आ चुका है। जिसमे आवास की पूरी राशि अन्य स्थान के फर्जी फ़ोटो के........ जियो टेग कर राशि हितग्राही के खाते में डालकर निकाल ली। मामले की शिकायत और जांच के बाद फर्जीवाड़ा उजागर हुआ और ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया। एक बार फिर ग्राम पंचायत का बड़ा गड़बड़ झाला सामने आया है यहां ग्राम पंचायत करडावद में होने वाले भूमि और मकान के नामांतरण में भारी हेरा-फेरी की गई ओर बिना मकान मालिक और उसके वारिशों की जानकारी के बिना मकान के नामांतरण कर दिए गए। नामांतरण की जानकारी भी तब लगी जब मकान मालिक को भवन प्रमाण पत्र की आवश्यकता लगी। ग्राम पंचायत करडावद के निवासी गोपाल आंजना के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी ग्राम पंचायत द्वारा की गई।

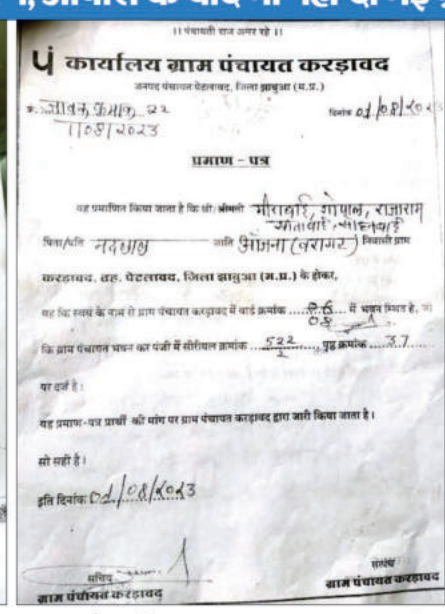

साधारण आवेदन और बिना पक्ष जाने कर दिया नामांतरण

ग्राम पंचायत ने सर्वे नम्बर 1946 रकबा 0.01 और सर्वे नम्बर 1950, रकबा 0.03 की सामलाती परिवर्तित भूमि का एक भाग मकान निर्माण के बाद परिवार के एक सदस्य के नाम पर ग्राम पंचायत में गोपाल आंजना के नाम पर दर्ज किया गया। बाकायदा टेक्स वसुली ओर वर्ष 2021 में भवन प्रमाण पत्र भी जारी किए गए। लेकिन 2023 में जब मकान मालिक ने प्रमाणपत्र ग्राम पंचायत से चाहा तो पता लगा उसके मकान पर परिवार के चार अन्य सदस्यों के नाम दर्ज हो गए। सूचना के अधिकार में निकली जानकारी में खुलासा हुआ की एक साधारण आवेदन पर ग्राम पंचायत में तीन दिन में बिना भवन से जुड़े मालिकों के पक्ष जाने और आपत्ति के बाद भी ग्राम सभा मे प्रस्ताव ठहराव कर दिया गया। दोनों नामान्तरण के दौरान ग्राम पंचायत ने किसी प्रकार का नोटरी, शपथ-पत्र और सहमति पत्र नही लिया न ही दोनों नामान्तरण के समय भूमि और मकान के वारिसों को कोई सूचना नही दी गई। इसी प्रकार एक मकान का नामान्तरण ग्राम पंचायत ने मकान के वारिसों की जानकारी के बिना वसीयत लेख के न्यायालय की एक सामान्य बयान के आधार पर नामान्तरण कर दिया गया। जिसको नामान्तरण को लेकर वारिसों की न्यायालय की शरण मे जाना पड़ा और वर्तमान में मामला न्यायालय पेटलावद में विचाराधीन है। बताया जा रहा कि, ग्राम पंचायत में ऐसे कई मकान ओर प्लॉट है जिनके नामान्तरण में भारी गड़बड़ी हुई है और बिना स्टाम्प के साधारण आवेदन पर नामान्तरण कर दिए।

चिराग फाउंडेशन करने जा रहा पांचवे सामुहिक निकाह का आयोजन

तैयारियां जोरो पर, नाम मात्र की रजिस्ट्रेशन फीस पर होंगे निकाह

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर की मात्र ऐसी संस्था जो अपने लक्ष्य को लेकर पिछले कई सालों से लगातार आगे बढ़ रही है। उद्देश्य सिर्फ इतना की शादी ब्याह में होने वाले बेवजह के खर्च को कम किया जाए और समाज के लोगों व बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाए। इसी उद्देश्य को लेकर चिराग फाउंडेशन लगातार पिछले कई वर्षों से लगातार मुस्लिम समाज में सामुहिक निकाह का आयोजन नाम मात्र की रजिस्ट्रेशन फीस लेकर करता आ रहा है। चिराग फाउंडेशन अपने इसी उद्देश्य और लक्ष्य को लेकर इस बार भी अपना पांचवा सामुहिक निकाह का आयोजन करने जा रहा है।

चिराग फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे इस आयोजन में 7 जोड़ों के विवाह करवाए जाएंगे। आयोजन को लेकर तारीखों का एलान भी हो चुका है। यह सामुहिक निकाह 29 अक्टूबर 2023 रविवार को शहर के पैलेस गार्डन में होगा। चिराग फाउंडेशन के सदर कुतुबुद्दीन शेख ने बताया कि, इस बार इस आयोजन में 7 जोड़ों के लिए जगह रखी गई है। इस सामुहिक निकाह में शामिल होने वाले लोगों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 7786 रुपये रखी गई है। यह शुल्क दोनों ही पक्षों को जमा करानी होगी। यह शुल्क भी फाउंडेशन के कुछ इंतेजामात के लिए रखी गई है। दुल्हा-दुल्हन की ओर से आने वाले परिजनों व रिश्तेदारों की भोजन व्यवस्था रखी गई है। इस सामुहिक निकाह आयोजन में शामिल होने के लिए फार्म दिए जा रहे है। जिस किसी को भी इस आयोजन में अपने बच्चों की शादी करना हो वे चिराग ऑटो गैरेज दिलीप गेट के पास झाबुआ व स्टार एव्हर फ्रेश पानी की टंकी के पास झाबुआ से फार्म ले सकते है। फार्म जमा करने की आखरी तारीख 15 अक्टूबर 2023 रहेगी। इस सामुहिक निकाह आयोजन में दुल्हे की उम्र 21 वर्ष व दुल्हन की उम्र 18 वर्ष पूरी होना अनिवार्य है। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए क्योंकि बाल विवाह कानूनन अपराध है। नव विवाहित जोड़ों को उपहार के रूप में समस्त तरह की घरेलु सामग्री फाउंडेशन की ओर से दी जाएगी। जिसमें अलमारी, बैड, गैस चुल्हा, सिलाई मशीन, पंखा तथा अन्य घरेलू सामान होगा। इसके अलावा दुल्हन को चांदी की रकम में पायल, बिछ्यिाँव सोने की रकम में नाक का कांटा भी दिया जा रहा है। दुल्हा-दुल्हन पक्ष को तय तारीख को दिए गए स्थान पर सुबह 11 बजे तक अनिवार्य रूप से पहुंचना होगा।

फाउंडेशन के सेक्रेटरी वसीम खान, अफरोज मकरानी, अफजल अंसारी आदि ने बताया कि, फाउंडेशन द्वारा इस तरह के आयोजन को लेकर यह उद्देश्य है कि, आजकल जिस तरह से शादी-ब्याह में अनाप-सनाप और बेवजह का खर्च किया जाता है उससे बचा जा सके और इसी बचे हुए रुपये को समाज के बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया जा सके। जिससे की आने वाली पीढियों का भी भविष्य बन सके। इसके अलावा कुछ ऐसे गरीब लोग जो अपने बच्चों की शादी करने में सक्षम नहीं है, उन्हे बच्चों की शादियां करने में आसानी हो सके। वैसे भी शरिया कानून में शादी को आसान बनाने का हुक्म दिया गया है, ताकि कोई भी व्यक्ति हराम कामों से बच सके। आज कल की शादियों में होने वाले बेवजह के भारी-भारकम खर्च के कारण कई लोग कर्जे में आ जाते है और इसी कर्ज के कारण व्यक्ति डिप्रेशन में आकर गलत कदम भी उठा लेते है। फाउंडेशन के इस आयोजन से समाज के लोगों को भारी-भरकम कर्ज से निजात मिल रही है और हर तरह की घटना-दुर्घटना से भी लोगों को बचाया जा रहा है।

फाउंडेशन के सदर कुतुबुद्दीन शेख ने बताया कि, आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। इस आयोजन में तमाम तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी ताकि किसी भी दुल्हा-दुल्हन के पक्ष को परेशानी का सामना ना करना पड़े। अभी आयोजन की तारीख को लगभग एक माह है, और इस अवधी में फाउंडेशन हर तरह की सुविधाएं जुटाने में लगा हुआ है। शेख ने बताया कि, शादी हमारे नबी की अहम तरीन सुन्नत है, और आपने इसे आम व आसान करने का हुक्म दिया है। आज के दौर में शादी करना कोई आसान काम नहीं है, जबकि इसमें फिजूल खर्ची ज्यादा होती है। इसीलिए चिराग फाउंडेशन ने यह लक्ष्य रखा है कि, इस तरह की फिजूल खर्ची को रोककर शादियों को आसान बनाया जाए। जिससे समाज के गरीबजनों को काफी सहुलत होगी और वे कम खर्च में अपने बच्चों की शादी कर सकेंगे। इसके अलावा फिजूल खर्ची से बची रकम को हम अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर उनका भविष्य बना सकते है। इसीलिए चिराग फाउंडेशन ने यह नारा दिया है कि, ''कम खर्च करें और बच्चों को जरूर पढ़ाएं'' तथा ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ''।

कुतुबुद्दीन शेख बताते है कि, चिराग फाउंडेशन एक बहुत बड़ा समुह है जिसमें सैकड़ों नौजवान जुड़े हुए है। फाउंडेशन के इस आयोजन में शहर भर की कई कमेटियां सहयोग करती है। जिससे इतने बड़े आयोजन को अंजाम देना फाउंडेशन के लिए आसान हो जाता है। इस बार भी शहर की लगभग 15 कमेटी इस आयोजन में फाउंडेशन का सहयोग कर रही है। हमें उम्मीद है कि, यह आयोजन सफल होगा और हम अपने लक्ष्य के एक कदम और करीब होंगे।

संपादकीय

सफल रिश्तों का सफल सम्मेलन

दिल्ली में संपन्न जी-20 शिखर वार्ता की सफलता से भारत ने खूब वाहवाही पाई। वहीं सम्मेलन की समाप्ति के बाद राजकीय यात्रा पर भारत आए सऊदी क्राउन प्रिंस की उपस्थिति में तमाम समझौते इस सम्मेलन के एक बोनस की तरह हैं। सऊदी अरब के साथ भारत के रिश्ते सदाबहार रहे हैं। लेकिन निवेश व अन्य मोर्चों पर साझेदारी ने रिश्तों को और गहराई दी है। वास्तव में हाल के वर्षों में प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो निकटता बढ़ी है, उसका प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति पर भी नजर आया है। हाल के दिनों में अमेरिका से सऊदी अरब के रिश्तों में खटास जगजाहिर है। जी-20 सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व प्रिंस सलमान के मिले हाथों को थामे प्रधानमंत्री के हाथों वाला चित्र अंतर्राष्ट्रीय राजनय में चर्चा का विषय रहा। बहरहाल, भारत और सऊदी अरब के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता के ठोस परिणाम सामने आए। इस दौरान सार्वजनिक उपक्रमों व निजी क्षेत्रों के बीच पचास महत्वपूर्ण समझौते हुए। हाल के दिनों में जहां भारत से सऊदी अरब को निर्यात बढ़ा, वहीं आयात में भी खासी वृद्धि हुई। ऐसे दौर में जब कोरोना संकट व रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकोले खा रही है। इससे पहले भी जब 2019 में प्रिंस सलमान भारत आए थे तो उन्होंने सौ अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। अब इस दिशा में साझा टास्क फोर्स बनाने की घोषणा दिल्ली वार्ता में हुई है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी खाड़ी देशों से बेहतर संबंध बनाने को अपनी प्राथमिकता देते रहे हैं। वे पिछले कुछ वर्षों में दो बार सऊदी अरब का दौरा भी कर चुके हैं। नि:संदेह, मध्यपूर्व में एक बड़ी ताकत होने के कारण सऊदी अरब से बेहतर रिश्तों के खास मायने हैं। कहीं न कहीं इस्लामिक देशों पर खासे प्रभाव वाले सऊदी अरब को भारत पाक पर दबाव बनाने वाले सहयोगी के रूप में भी देखता है। जिसके जरिये पाक के निरंकुश व्यवहार पर नकेल कसी जा सके।

हाल के वर्षों में भारत-सऊदी अरब के बीच सालाना व्यापार का पांच हजार करोड़ डॉलर तक पहुंचना दोनों देशों के बीच बेहतर होते रिश्तों की बानगी है। कई बड़ी भारतीय कंपनियों ने पिछले दिनों सऊदी अरब में दो सौ करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया। वहीं सऊदी अरब की कंपनियां दो साल पहले तक तीन सौ करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारत में कर चुकी थीं। दरअसल, प्रिंस सलमान सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करके उस टैग को हटाना चाहते हैं कि वह सिर्फ तेल से चलने वाली अर्थव्यवस्था है। तभी वे उत्पादन, पर्यटन, तकनीक आदि के क्षेत्र में बड़े निवेश को आमंत्रित करते हुए भारत को एक भरोसेमंद सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। भारत भी सऊदी अरब के लिये उभरते बाजार के रूप में निवेश का भरोसेमंद स्थल है। जब भारत विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की ओर बढ़ने का उद्घोष करता है तो निवेशकों के लिये एक भरोसा पैदा होता है। वहीं दूसरी ओर भारतीय प्रतिभाओं व तकनीशियनों से भी सऊदी अरब को खासी उम्मीद है। जिसके जरिये वह अपने 2030 के विज़न को यथार्थ में बदल सके। जिसमें उसकी महत्वाकांक्षी 'इको-सिटी' बसाए जाने की योजना भी शामिल है। यही वजह कि ग्लोबल कम्युनिटी का हिस्सा बनने को आतुर सऊदी अरब भारत जैसे देशों से संबंध मजबूत कर रहा है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र में सऊदी अरब के सहयोग से बनने वाला महत्वाकांक्षी 'वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स प्रोजेक्ट' दोनों देशों के बेहतर होते संबंधों की बानगी है। दूसरी ओर जी-20 सम्मेलन में जब प्रधानमंत्री ने 'इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर' की घोषणा की तो इसमें सऊदी अरब की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई। इस प्रोजेक्ट को चीन के 'बेल्ट एंड रोड परियोजना' के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बहरहाल, प्रिंस सलमान की वह टिप्पणी सुखद अहसास कराती है जिसमें उन्होंने कहा था कि सऊदी अरब की आबादी का सात फीसदी हिस्सा भारतीयों का है, जिनका वे अपने नागरिकों की तरह ख्याल रखते हैं। नि:संदेह, दोनों देशों के बीच हुए हालिया समझौते संबंधों को नये आयाम देंगे।

जनतंत्र की अनिवार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति

हाल ही में संपन्न हुए जी-20 आयोजन की 'शानदार सफलता' के बारे में बहुत कुछ कहा जा चुका है। यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के आलोचक भी यह बात स्वीकार कर रहे हैं कि कुछ सदस्य देशों के विरोध के बावजूद इस सम्मेलन में एक 'सर्वसम्मत' सामूहिक विज्ञप्ति जारी की जा सकी। भारत से लेकर अमेरिका तक के कॉरिडोर का मुद्दा हो या रूस-यूक्रेन का मुद्दा या फिर अफ्रीकी यूनियन को जी-20 का सदस्य बनाने का मामला, इन सबको भारत की दृष्टि से जी-20 की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के रूप में ही गिना जायेगा। जहां तक इस पूरे आयोजन का सवाल है, निश्चित रूप से यह भव्य और शानदार था। मज़ाक में ही सही, पर कहा जा रहा है कि जी-20 के आगामी मेज़बान के लिए आयोजन की यह भव्यता एक बड़ी चुनौती बन जायेगी।

आयोजन की समाप्ति पर हमारे प्रधानमंत्री मीडिया से 'मिलने' आये थे। उम्मीद की जा रही थी कि वे संभवतः मीडिया को संबोधित करेंगे, पर वह हाथ हिलाते हुए 'सबको धन्यवाद' कह कर ही उत्सुक मीडिया के सामने से निकल गये। मीडिया की निराशा स्वाभाविक है। सच पूछा जाये तो यह एक मुद्दा है जिसे लेकर भारत में, और भारत से बाहर भी, चर्चा हो रही है। हमारे प्रधानमंत्री प्रेस के सवाल-जवाब से कतराते हैं, यह बात जग-जाहिर है। भाजपा सरकार के दो कार्यकाल पूरे हो रहे हैं। इन लगभग नौ सालों में प्रधानमंत्री का एक भी प्रेस-सम्मेलन में भाग न लेना चर्चा का ही नहीं, आलोचना का विषय भी बना हुआ है। और यह भी सही है कि प्रधानमंत्री मोदी इस आलोचना से परेशान होते हुए भी नहीं दिख रहे। लगता है उन्हें विश्वास है कि उनका मीडिया-प्रबंधन इस आलोचना से आसानी से उबर सकता है।

दुनिया भर के मीडिया कर्मी इस सम्मेलन को कवर करने के लिए आये हुए थे। सबके पास पूछने के लिए कुछ था। खासकर दुनिया के इतने बड़े-बड़े नेताओं का सम्मेलन मीडिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। उम्मीद की गयी थी कि सम्मेलन की संयुक्त विज्ञप्ति के जारी किये जाने के अवसर पर राष्ट्राध्यक्षों की द्विपक्षीय वार्ताओं के बारे में बड़े नेता मीडिया से मुखातिब होंगे, पर ऐसा हुआ नहीं। और कहा यह जा रहा है कि सम्मेलन के मेज़बान राष्ट्र भारत ने ऐसा कुछ होने नहीं दिया। भारत-अमेरिका की द्विपक्षीय वार्ता के बाद मीडिया को बहुत उम्मीद थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री सामूहिक रूप से मीडिया को संबोधित करेंगे- फिर चाहे यह संबोधन प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुए एक-एक सवाल जैसा ही क्यों न हो। पर ऐसा कुछ हुआ नहीं।

यह नहीं बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ आये पत्रकारों को संबोधित करने का अवसर उन्हें नहीं दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रवक्ता के अनुसार 'राष्ट्रपति बाइडेन ऐसी प्रेस-वार्ता के लिए तैयार थे, पर मेज़बान राष्ट्र की असहमति के कारण ऐसा हो नहीं पाया।' अपने मीडिया से राष्ट्रपति बाइडेन ने बात तो की, पर भारत में नहीं, इंडोनेशिया में। वहां पहुंचकर उन्होंने यह कहना भी ज़रूरी समझा कि उन्होंने जी-20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से हुई बातचीत में प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा का मुद्दा भी उठाया था। भारत की ओर से अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है, पर अपने आप में यह बात कम महत्वपूर्ण नहीं है कि भारत और अमेरिका के नेताओं ने इस विषय पर बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वियतनाम में जाकर बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से 'मानवीय अधिकारों, प्रेस की स्वतंत्रता और सिविल सोसायटी के सम्मान' करने की बात कही थी। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री मोदी जब अमेरिका की राजकीय यात्रा पर गये थे तब भी वार्ता के दौरान यह मुद्दे उठे थे और बाद में चर्चा का विषय भी बने थे।

प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा का सवाल जनतांत्रिक मूल्य और आदर्शों के साथ जुड़ा है। अमेरिका और भारत दोनों जनतांत्रिक देश हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के संदर्भ में दोनों देश अपनी प्रतिबद्धता घोषित करते रहते हैं। दोनों देशों के संविधानों में इसका स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसीलिए यह बात थोड़ी अजीब लगी थी जब बड़े नेताओं ने मीडिया से सीधे बात करने में अपनी असमर्थता दिखायी। आखिर वह क्या विवशता थी जिसके चलते इस आशय का निर्णय किया गया। इस जी-20 सम्मेलन में मीडिया के लिए विशेष प्रबंध किये गये थे। इस बात की भी सावधानी बरती गयी थी कि मीडिया को दी गयी सुविधाओं का समुचित प्रचार हो। लेकिन सम्मेलन के आखिरी दिन प्रधानमंत्री मोदी का मीडियाकर्मियों के सामने से हाथ हिलाते हुए निकल जाना यह भी बता रहा था कि कहीं कुछ है जो हमारे प्रधानमंत्री को मीडिया से परहेज़ रखने के लिए विवश करता है।

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का दूसरा कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। वे शायद दुनिया के अकेले ऐसे जनतांत्रिक नेता होंगे जिसने प्रेस से एक निश्चित दूरी बनाये रखना ज़रूरी समझा है। प्रधानमंत्री की एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई पिछले नौ-दस सालों में। एक बार ज़रूर आये थे प्रधानमंत्री पत्रकारों के समक्ष, पर तब उनसे पूछे गये सवालों के जवाब गृहमंत्री अमित शाह ही दे रहे थे। उस 'प्रेस-वार्ता' में प्रधानमंत्री ने पूरा समय चुप्पी साध रखी थी।

विश्वनाथ सचदेव

यहां यह कहना ज़रूरी है कि अपने इस लंबे कार्य-काल में प्रधानमंत्री जी ने कुछ पत्रकारों से बात अवश्य की है। टीवी पर भी बात करते हुए दिखे हैं प्रधानमंत्री। पर कुल मिलाकर यह ऐसे ही पत्रकार थे जो उनसे यह जानना चाह रहे थे कि 'वह आम काटकर खाना पसंद करते हैं या चूस कर'!

यह विस्मय का चिह्न हटना ही चाहिए। प्रेस की स्वतंत्रता और महता जनतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न और ज़रूरी अंग है। न इसकी उपेक्षा होनी चाहिए, न इसका दुरुपयोग। दुर्भाग्य से जी-20 के इस शानदार आयोजन में यह कमी कहीं न कहीं खलने वाली है। जनतंत्र की जननी कहते हैं हम अपने देश को। आयोजन के दौरान राजधानी दिल्ली में इस आशय के ढेरों पोस्टर भी लगे थे। लेकिन स्वतंत्र और सजग प्रेस की यह जनतांत्रिक शर्त कहीं न कहीं अधूरी रह गयी। इस 'भव्य' और 'सफल' आयोजन के कर्ता-धर्ताओं को यह अवश्य बताना चाहिए कि अमेरिकी पत्रकारों को भी अमेरिका के राष्ट्रपति से बात करने के लिए वियतनाम तक पहुंचने का इंतजार क्यों करना पड़ा? और यह भी कि अमेरिकी प्रवक्ता का यह कहना कितना उचित है कि भारत के प्रधानमंत्री- कार्यालय ने अनुमति नहीं दी थी, अन्यथा राष्ट्रपति बाइडेन तो प्रेस- वार्ता के लिए तैयार थे?

हिंदी की खाइए और अंग्रेजी की गाइए

गजोधर भईया हिंदी की उन्नति को लेकर बेहद परेशान रहते हैं। बेचारे हिंदी के विकास में खुद का विकास खोजते हैं। सितंबर का पुण्य मास लगते ही उनका मुरझाया चहेरा खिल उठता है। उनके भीतर सुस्त पड़ा संवृद्ध हिंदी का सपना कुलाचें मारने लगता है। क्योंकि पवित्र मास का दूसरा पखवाड़ा हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका इंतजार अनेका नेक हिंदी प्रेमियों को रहता है। जिस तरह पितृपक्ष में पितरों का तर्पण पखवाड़ा होता ठीक उसी तरह अपनी बेचारी हिंदी को याद किया जाता है।

14 सितंबर से हिंदी का श्राद्ध पखवारा मनाया जाता है। इस दौरान हिंदी विकास को लेकर बड़ा शोर रहता है। सरकारी कार्यालय और बैंकों में हिंदी को संवृद्ध करने के लिए बड़े-बड़े पोस्टर लगते हैं। सभी को हिंदी में कार्य करने की नसीहत दी जाती है। इस दौरान अनेक हिंदी सेवियों को सम्मानित किया जाता है। यह ऐसे लोग रहते हैं जिनका प्रेम सिर्फ मंच और सोशलमिडिया तक हिंदी प्रेम दीखता है। क्योंकि सितंबर माह आने पूर्व हिंदी सेवी की तैयारी में वे जुट जाते हैं। तमगा लेने बाद फिर अंग्रेजी मैम के के लिए काम करते हैं।

अगर आप हिंदी सेवी हैं तो आपको मालूम होगा कि पितृपक्ष का समय भी हिंदी श्राद्ध पखवाड़े के ठीक बाद आता है। कितना अच्छा संयोग है। बेचारी हिंदी को 365 दिन कोई नहीं पूछता, लेकिन 15 दिन बेचारी सरकार से लेकर साहित्यकार की जुबान पर होती है। लेकिन पखवारा बीतने के बाद कोई घास नहीं डालता। ठीक वैसे ही जैसे चुनाव जीतने के बाद सरकार और नेता जनता को भूल जाते हैं।

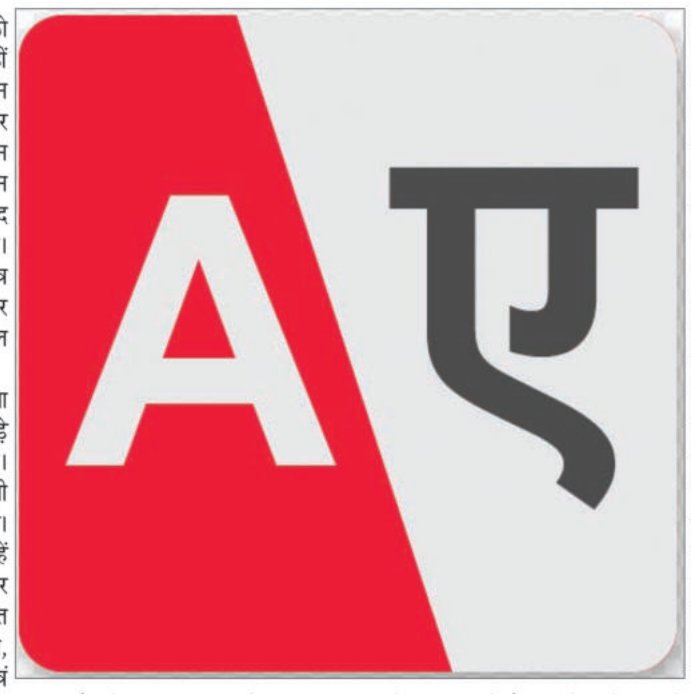

हमारे गाजोधर भईया हिंदी के सबसे बड़े सेवक माने जाते हैं। मोहल्ले में उन्हें हिंदीसेवी के रूप में जाना जाता है। हिंदी पखवाड़े भर उन्हें फुर्सत नहीं मिलती है। हर जगह उन्हें सम्मानित किया जाता है। साल, नारियल, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र से उनका घर भर जाता है। लेकिन हिंदी पखवारा बीतने के बाद उन्हें कोई घास नहीं डालता। गजोधर भईया जैसे हिंदी सेवी की दुर्गति उस समय और बढ़ जाती है जब रुकी हुई वृद्धा पेंशन को चालू करवाने के लिए विभाग के उसी बाबू की जेब गर्म करते हैं जिसने हिंदी दिवस पर उन्हें अंगवस्त्र और श्रीफल भेंट किया था। उस समय उनकी हिंदीसेवा का त्याग अखाड़े में पटखनी खाए पहलवान की तरह होता है। लेकिन अब करें क्या दुनिया के दस्तूर को भला वे कैसे मिटा सकते हैं।

वैसे उन्हें अंग्रेजी बिल्कुल नहीं पसंद है। यह बात अलग है की हिंदी की खाल ओढ़कर वे अंग्रेजी से ईलू-ईलू करते हैं। उन्हें अंग्रेजी नाम से भी बड़ी नफ़रत है। लेकिन अंग्रेजी नहीं बोलते। हाँ अपने कुत्ते का नाम डैनियल, बिल्ली का नाम मर्सी, तोते का नाम टॉम ही रखते हैं। हिंदी नहीं अंग्रेजी गाने पर वे डांस करते हैं। बेटे का नाम इंग्लिश मीडियम स्कूल में लिखवाते हैं। कभी जाम की तलब लगी तो वह विदेशी बियर अधिक पसंद करते हैं। चुनाव में बढ़िया-बढ़िया नारा वे अंग्रेजी में ही गढ़ते हैं।

वैसे भी गाजोधर भईया हिंदी दिवस अंग्रेजी में मानते हैं। लोगों को हिंदी दिवस की बधाई अंग्रेजी में लिख कर देते हैं। रात्रि को भोजन नहीं डिनर करते हैं। दोपहर को लंच और सुबह गुड़ मॉर्निंग करते है। सुबह टहलने नहीं मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं। हिंदी के लिए जब मोबाइल कि की-पैड दबाते हैं तो अंग्रेजी में ही उन्हें हिंदी के लिए एक नहीं वन दबाना पड़ता है। मोबाइल पर बातचीत शुरू करने के पूर्व वे हैलो करते हैं। उनका पोता नमस्ते नहीं गुड़ मॉर्निंग करता है। रात्रि में गुड़ नाईट और बाय-बाय बोलता है।

प्रभुनाथ शुक्ल

जन्मदिवस की शुभकामना का संदेश वह हैप्पी बर्डे टू यू बोल कर देते हैं। फेसबुक पर वह नाइस, रिप और वेलकम बोलते हैं। पोते-पोती को पढ़ाते हैं तो ए फॉर एप्पल और बी फॉर बॉल बोलते हैं। एक -दो-तीन-चार, हिंदी बोलो बार-बार पढ़ाने के बजाय वे वन टू का फोर, फोर टू का वन, माई नेम इज गाजोधर पढ़ाते हैं। फिर तुम्हीं बताओ गजोधर भईया ! खाओगे हिंदी का और गाओगे अंग्रेजी का। सिर्फ शाल ओढ़ कर हिंदी को बचाओगे। गजोधर भईया आप जैसे लोग हिंदी की लुटिया नहीं डूबाएंगे तो क्या करेंगे।

जातिवादी जुमलों से जनमत जुटाने की राजनीति

सनातन धर्म का अर्थ है शाश्वत मूल्य। फिर क्यों डीएमके के नेताओं का झगड़ा इस कालजयी दर्शन से है? सबसे गलीज़ भाषा में गरियाना तो एक तरफ, सनातन धर्म की तुलना भयंकर बीमारी से की गई है। इसके भीतर छिपी है तथाकथित द्रविड़ राजनीति की जातीय नफरत आधारित संकीर्ण चाल। तमिलनाडु की पिछड़ी जाति आधारित चुनावी राजनीति में जिसे -द्रविड़ार विचारधारा- के नाम से जाना जाता है और जिसका शेष दक्षिण भारत में कोई नामलेवा नहीं हैदृ सनातन धर्म को एक प्रतिरोध का शब्द या ब्राह्मणों को गरियाने का विशेषण बना दिया गया है।

तमिलनाडु में पिछड़ी जाति की राजनीति करने वाले नेताओं और उनके मतदाताओं के लिए सनातन धर्म शब्द को प्रतीक बना डाला है ब्राह्मणों के प्राधान्य, कर्मकांड, अंधविश्वास और ब्राह्मणवादी सामंतशाही का। जिस तरह हिंदुत्व की राजनीति करने वाले नेता एक वर्ग विशेष को 'गैर' ठहराकर बहुसंख्यकों को इकट्ठा करने में लगे हैं, वैसे ही पिछड़ी जाति की राजनीति करने वाले तमिलनाडु के नेता लोगों को लामबंद करने में सनातन धर्म का इस्तेमाल करते हैं। तथ्य है कि ईवी रामासामी नायकर जो पेरियार के नाम से प्रसिद्ध हैं, ने ब्राह्मण विरोधी नफरत को एक विचारधारा में बदल डाला और इस मंच को 'द्रविड़ार कझगम' नाम दिया।

रोचक कि आरएसएस और द्रविड़ार कझगम की स्थापना एक ही साल, 1925 में हुई और उनके आलोचक दोनों पर अंग्रेजों का पिट्ठू होने का इल्जाम लगाते हैं। पेरियार जब मद्रास प्रेसीडेंसी कांग्रेस कमेटी के मुखिया थे, तब उनका ज्यादा जोर ब्रिटिश शासन की बजाय ब्राह्मणों से भिड़ने पर रहा और ब्रितानी हुकूमत समर्थक जस्टिस पार्टी से हाथ मिलाया। रोचक यह भी कि जस्टिस पार्टी का नेतृत्व एक नायर कर रहे थे (जबकि पेरियार के लिए सब गैर-ब्राह्मण दबे-कुचले थे, चाहे वे कितने भी बड़े भूस्वामी क्यों न हों)। द्रविड़ राजनेता ज्यादातर मध्यम जाति श्रेणी से संबंधित थे, हालांकि तकनीकी रूप से उन्हें पिछड़ा या अति पिछड़ा जाति की श्रेणी में गिना जाता था। जो लोग खुद को चोल या पांड्या वंश की संतति बताते हैं, उनमें अधिकांश तमिलनाडु में अब पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित कोटे के लाभार्थी हैं।

इसलिए, पेरियार की राजनीति पिछड़ी जातियों के गौरव और सशक्तीकरण को उभारने में मुफीद बैठती है, क्योंकि इसने संख्या के हिसाब से राजनीतिक रूप से गौण ब्राह्मणों को नस्लीय 'विजातीय' में तब्दील कर दिया। एक वक्त कांग्रेस में काफी संख्या में नेता ब्राह्मण थे,और पूरी संभावना है, पेरियार ने कांग्रेस और महात्मा गांधी पर हमला करने के लिए गरियाने में सनातन धर्म को एक सुलभ-शब्द बना डाला। ब्रिटिश हुकूमत के प्रति पेरियार के झुकाव का सबूत है, स्वतंत्रता आंदोलन का विरोध और 1947 में मिली आजादी को अस्वीकार करना। यह उनकी ब्रिटिश-समर्थक, ब्राह्मण-विरोधी राजनीति थी जिसने तमिल अलगाववाद के बौद्धिक ढांचे की नींव रखी, जिसकी कीमत राष्ट्र ने कई जानें गंवाकर चुकाई, इसमें पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी थे - क्योंकि श्रीलंका की एलटीटीई का नेतृत्व रणनीतिक बौद्धिकता के लिए सदा मुख्यभूमि के अतिवादी द्रविड़ार कझगम काडर पर निर्भर रहा।

इसमें यदि अंतर्निहित दोगलापन न होता तो इतना भर भी चल जाता। अब, जब तमिलनाडु में छोटे अल्पसंख्यक के रूप में ब्राह्मण पस्त हो चुके हैं और बेहतर जिंदगी के लिए मातृभूमि छोड़कर पलायन कर रहे हैं। ऐसे में मंदिरों और समाज पर ब्राह्मणों का पुराना आधिपत्य कायम रहना बीते वक्त की बात है। सबसे बड़ी विडंबना यह कि द्रविड़वादी काडर स्वयं बहुत बड़े आस्थावान और मंदिर जाने वाले भक्त हैं! उनके लिए सनातन धर्म शब्द ब्राह्मणों को गरियाने का एक औजार भर है, लेकिन डीएमके के मतदाताओं को अपने नेताओं का ब्राह्मणवाद को गाली देने में और खुद हिंदू धर्म या मंदिरों में आस्था रखने के बीच कोई विरोधाभास क्यों नज़र नहीं आता।

इसीलिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र उदयनिधि स्टालिन एक लिखा-लिखाया भाषण पढ़ना गवारा कर पाए, जिसमें सनातन धर्म से 'छुटकारा' पाने की कामना की गई, क्योंकि अब यह और हिंदुत्व की राजनीति और संघ परिवार, एक बराबर है। इस तरह ब्राह्मणवाद और भाजपा को एक ही पलड़े में रखते हुए, हिंदुत्व की अलम्बरदार पार्टी को वह संगठन बताकर अवांछनीय बनाया जा रहा है जो समाज में कथित ब्राह्मणवाद आधारित ऊंच-नीच कायम रखना चाहता है। यदि पेरियार ने सनातन धर्म पर हमले बोलने वाला हथियार इस्तेमाल करके कांग्रेस को अवांछनीय बनाया तो स्टालिन पिता-पुत्र द्वय का पैंतरा है कि तमिलनाडु में भाजपा की पिछड़ी जातियों में पहुंच बनाने की कोशिश को ब्राह्मणवादी उद्यम की रंगत दी जाए।

यह जातिगत नफरत को परोक्ष रूप में चुनावी संदेश देने वाली राजनीति है, जो वक्ता और श्रोता भली-भांति समझते हैं। इससे ज्यादा इसका कोई अर्थ नहीं है। क्योंकि अभी पिछले महीने ही उदयनिधि की मां दुर्गा स्टालिन ने केरल के सुप्रसिद्ध गुरुवायुर कृष्णा मंदिर में देवता को सोने का मुकुट चढ़ाया है, जहां रोजाना की पूजा वैदिक रीति अनुसार होती हैं। गुरुवायुर की तीर्थ यात्रा या तो वे करते हैं जिनमें बहुत ज्यादा आस्था हो या फिर वे, जिन्हें ज्योतिषी ने किसी ग्रह-दोष निवारण उपाय के तौर पर जाने को कहा हो। जो भी है, दुर्गा स्टालिन इतनी महंगी भेंट न चढ़ातीं यदि इसके पीछे पति-पुत्र की बेहतरी के लिए भगवान कृष्ण की कृपा पाने की चाहत न होती।

सनातन धर्म की जातिवाद और अस्पृश्यता के रूप में व्याख्या करना सबसे बड़ा दोगलापन है। क्योंकि तमिलनाडु के जाने-माने गिरजाघरों में भी भयंकर किस्म का जातिगत भेदभाव है और यहां तक कि गांवों में चाय की दुकानों पर भी, जहां दो तरह के गिलास होते हैं दृ एक अगड़ी एवं पिछडी जातियों के लिए तो दूसरा दलितों के वास्ते। क्यों पेरियार पर भी आरोप लगते हैं कि 1968 में कीज़वेन्मणि में 44 दलितों की हत्या होने के बाद उन्होंने वहां का दौरा नहीं किया।

एक दलित कार्यकर्ता एवं लेखक ने पेरियार की पत्रिका 'विदुथलाई' को उद्धत करते हुए, कीज़वेन्मणि कांड पर पेरियार के विचार बताए हैं 'वामपंथी आपकी मदद करने का नाटक कर रहे हैं। वे वेतन बढ़वाने और बेहतर जिंदगी देने का वादा कर रहे हैं। लेकिन राजनीतिक आंदोलन से पगार में बढ़ोतरी असंभव है। यह केवल वस्तुओं के बाजारी भाव से तय होती है। दलितों को यह सिखाने की बजाय कि जो तनखवाह मिल रही है, उसी में शांतिपूर्ण जिंदगी कैसे बिताई जाए वे सूबे में दंगे और डीएमके सरकार को अस्थिर कराना चाहते हैं'।

राजेश रामचंद्रन

कीज़वेन्मणि कांड का मुख्य आरोपी गोपालाकृष्णा नायडू पेरियार की जाति से था। कोई हैरानी नहीं वर्तमान में भी डीएमके सरकार पर यह कलंक है कि उसने न केवल इस नरसंहार पर पुलिस को मूक-दर्शक बनाए रखा बल्कि बाद में अपील उपरांत नायडू को बरी होने में मददगार भी रही। इसलिए, डीएमके की जाति व्यवस्था विरोधी बातों को दलित-विरोधी जुल्म के परिप्रेक्ष्य में कसौटी पर कसा जाना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे द्रविड़ तर्कवाद पर प्रति-प्रश्न हो कि फिर राज्य के प्रथम परिवार ने भगवान कृष्ण को सोने का मुकुट क्यों चढ़ाया।

राष्ट्रीय स्तर पर, स्टालिन पिता-पुत्र द्वारा सनातन धर्म पर हमला बोलने ने इंडिया गठबंधन को अंतहीन शर्मिंदगी दे डाली है। और यहीं पर भारतीय राजनीति की विद्रूपता अंतर्निहित है दृएक सूबे में जातिगत भावनाओं की बांसुरी बजाकर अपने पीछे लोग लगाने वाला काम दूसरे राज्य में सांप्रदायिकता के आधार पर अपनी मुखालफत में उलटा पड़ सकता है।

एसपी साहब जरा एक नजर इधर भी...

भानेरिया भाई मिलकर खाकी को कर रहे कलंकित

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

शुजालपुर मंडी थाने को अपनी कुटिया समझ कर दो भाइयों ने आम जनता का खून चुसने का ठेका ले रखा है, या यू मानो की इन दोनो ने धन उगाही की पीएचडी कर रखी है। ऐसा हम नहीं कह रहे ये तो हर एक के मुंह पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

3 सितंबर को मंडी थाने का एक आरक्षक जीतेंद्र भानेरिया एक अन्य आरक्षक मनोज यादव के साथ ग्राम रानोगंज एक जुआरी के पास गया। इन दोनो ने जुआरियो से घंटो तक तोड़ी बट्टे की बात करी, जिसका सारा का सारा घटना क्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। एक जुआरी ने इन दोनों भ्रष्टों का विडियो भी बनाया है।

मंडी थाने में जीतेंद्र भानेरिया व रंजीत भानेरिया दोनो भाइयों का बोल बाला है। एक जुआरी में मस्त तो दूसरा सटोरियों से पैसे लेने में मस्त है। सूत्रों के मुताबिक देखा जाए तो मंडी थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक रंजीत भानेरिया सटोरियों से महाबंदी के रूप में काम कर रहा है और एक दूकान से 3 से 5 हजार रूपए प्रति माह एक स्टोरिये से लेता है। अगर कोइ सट्टा लिखने वाला इस भ्रष्ट को मुंह मांगी से कम राशि देता हे तो ये प्रधान आरक्षक वही उसकी दूकान पर पैसे फेक कर आपनी रंग दारी दिखाता है और सटोरियों से बहस करने लग जाता व अपनी वर्दी का रॉब दिखाकर गुंडा गर्दी करता है। कहता है कि, मेरी बीट है तुम्हे सट्टा लिखना हे तो मुझे 5000 ही हजार ही लगेंगे और बोलता जिससे लगे उससे मेरी शिकयत करना हे देना मगर लूंगा 5000 हजार ही।

गूंज सूत्र तो यहा तक बताते हे कि, जीतेंद्र भानेरियां व रंजीत भानेरिया के अंकल दुर्गेश जो अपने आरक्षक प्रधान आरक्षक भाइयों के बलबूते पर आपने गांव में जुआ चलवा रहा है। जहां हर रोज दर्जनों की तादाद में खिलाड़ी जाते है और शुजालपुर के जुआरियों को भी अपने गांव जुआ खेलने के लिए ये भेजते है। अगर इनकी कॉल डिटेल निकाली जाए तो कई जुआरियों वा सटोरियों के नम्बर इनके मोबाईल में पाए जायेंगे जिनसे ये हर माह बात करते हैं।

रंजीत की बीट में जहरीली शराब माफियाओं की बल्ले-बल्ले

प्रधान आरक्षक रंजीत भानेरिया की बीट में जहरीली शराब की तस्करी जोरो पर हे और रंजीत अवैध वसूली में मस्त रंजीत का अवैध वसूली में मस्त होना और आम जनता के स्वास्थ से खिलावाड़ करना रंजीत का पेशा बन चुका है। रंजीत को यह भी कहते सुना गया है कि, चाहें जो हो, मुझे कोइ फर्क नहीं पड़ता मुझे तो बस आप टाइम पर मेरी महीने की बंदी दो। मुझे जनता के मरने से कोई मतलब नही है और ना ही मुझे कोई जन सरोकार से कोई मतलब है।

सौतेली मां-बहन की हत्या कर छत से कूदे युवक की भी हुई मौत

माही की गूंज, मंदसौर।

मंदसौर जिले के एक गांव में तीन शव मिलने से सनसनी फैल गई। तीनों शव एक ही परिवार के हैं। दो शव एक महिला और उसकी बेटी के हैं, जबकि तीसरा उसके सौतेले बेटे का. मामला हत्या और आत्महत्या का है। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

मंदसौर जिले के मंडी पिपलिया थाना इलाके के टीलाखेड़ा गांव से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां मंगलवार सुबह एक ही परिवार के तीन लोगों के शव मिले हैं। एक बंद घर में एक महिला और बच्ची का अधजला? शव मिला है। जबकि घर के बाहर छत से गिरे हुए युवक का शव मिला है। बताया जा रहा है, पारिवारिक विवाद में विनोद नाम के युवक ने अपनी सौतेली मां और 7 साल की बहन की हत्या कर दी। इसके बाद खुद छत से कूद कर आत्महत्या कर ली।

युवक ने की सौतेली मां और बहन की हत्या

पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने बताया कि, टीलाखेड़ा गांव में एक मकान में शव मिलने की सूचना मिली थी। इनकी पहचान महिला सुनीता पति किशोर माली उम्र 40 साल और बच्ची हिमांशी उम्र 7 साल के रूप में पहचान की गई है। इसके अलावा मृतक युवक विनोद माली उम्र 21 साल के शव में मिले हैं।

पारिवारिक विवाद

मृतक युवक विनोद के पिता किशोर माली की पत्नी की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद कुछ समय पहले ही वह दूसरी पत्नी यानी मृतक महिला सुनीता और उसकी बच्ची को लेकर आया था। इससे बेटा विनोद नाराज चल रहा था और उनके परिवार में विवाद चल रहा था। इसी घरेलु विवाद में विनोद ने महिला और उसकी 7 साल की बच्ची की हत्या कर दी। खुद छत से कूद कर जान दे दी।

बिना रॉयल्टी हो रहा काले सोने का परिवहन, सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड डंपर

माही को गूंज, शाजापुर। खनिज विभाग की लापरवाही के कारण दिनों दिन पोलायकलां क्षेत्र में बालू रेती, काली रेती, गिट्टी-मुरम का अवैध रूप से बिना रायल्टी परिवहन कार्य जोरों पर है। सुबह से लेकर शाम तक आष्टा से पोलायकलां, व सालिया से लालापुरा मार्ग पर सैकड़ों टैक्टर व डंपर बिना रायल्टी बालूरेती, कालीरेती, गिट्टी, मुरम ले जाते देखे जा सकते हैं। परंतु खनिज विभाग द्वारा इक्का-दुक्का कार्रवाई करके अपनी खानापूर्ति की जाती रही है। इससे कहीं न कहीं अवैध रूप से खनन माफिया व ठेकेदारों के होंसले बुलंद हैं। अगर क्षेत्र में देखा जाए तो सालिया, लालपुरा, शंभूपुरा, बिनाया, बाकाखेडी, अवंतीपुर बड़ोदिया, सहित नेवज नदी पर काली रेत का अवैध कारोबार देखने को मिल जायेगा। यह काले सोने का व्यापार इस क्षेत्र में बडे पैमाने पर फल-फूल रहा है। इलाके में जगह-जगह काली रेती के बड़े-बड़े स्टॉक पड़े हुए हैं, लेकिन पोलायकलां क्षेत्र में खनिज विभाग द्वारा अभी तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई है। आज सुबह खनिज विभाग द्वारा इक्का-दुक्का कार्रवाई करना सवालिया निशान पैदा करता है। खनिज विभाग की इंस्पेक्टर कामनी गौतम व खनिज अधिकारी आरिफ़ खान द्वारा कार्रवाई करते हुए दो बिना रायल्टी के ओवरलोड बालू रेत के डंपर और एक गिट्टी का ट्रैक्टर जब्त किया है। जिसे थाना अवंतीपुर बड़ोदिया पुलिस की सुपुर्दगी में रखा गया है।

खनिज अधिकारी ने दी जानकारी

जब इस संबंध में खनिज विभाग के अधिकारी आरिफ खान व कामिनी गौतम से जानकारी ली गई तो उन्होंने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि, दो डंपर व एक गिट्टी का ट्रैक्टर जब्त कर थाना अवंतीपुर बड़ोदिया पुलिस की सुपुर्दगी में रखा गया है। आगे कार्रवाई हमारे द्वारा की जाएगी। जब इस संबंध में खनिज अधिकारी से पूछा गया की आपके द्वारा क्षेत्र में जगह-जगह रेती के स्टॉक पड़े हैं उन पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है? तो उन्होंने कह दिया कि आप हमें बताए हम कार्यवाही करेंगे। इससे यहा साफ़ जाहिर होता है कि खनिज अधिकारी अपनी ड्यूटी के प्रति कितने सजग हैं। अब सोचने वाली बात यहा है कि पकड़े गए इन डंपरों को ओवरलोडिंग के तहत जुर्माना लगाया जाएगा या फिर बिना रायल्टी के ओवरलोड का प्रकरण दर्ज कर राशी वसूल की जायेगी।

बेलगाम बाबू: मृत कर्मचारियों का फंड अपने खाते में डाल रहे बाबू

माही की गूंज, शाजापुर।

शाजापुर में दो सरकारी विभागों में लाखों रुपए के घोटाले का खुलासा हुआ है। यहां ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय और पशु चिकित्सा विभाग में बाबुओं ने बैंक खातों में गड़बड़ी कर लाखों रुपए का गबन किया। मृतक कर्मचारियों के परिवार को मिलने वाली राशि अपने परिवार के खातों में डाल दी। पशु चिकित्सा विभाग के बाबू को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को पद से हटा दिया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

शाजापुर के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय और पशु चिकित्सा विभाग में बाबुओं ने बैंक खातों में गड़बड़ी कर लाखों रुपए की हेरा फेरी कर दी। दोनों विभागों के बाबुओं ने अपने ही विभाग के मृतक कर्मचारियों को मिलने वाली बीमा राशि सहित एरियर, वेतन, रिफंड सहित अन्य राशि कर्मचारियों के परिवार को नहीं दी। उन्होंने यह राशि अपने ही परिवार के लोगों के बैंक खातों में डालकर गबन किया। गड़बड़ी का पता चलते ही जिला प्रशासन ने दोनों विभागों के लेखा शाखा को सील कर जांच शुरू कर दी है।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को पद से हटाया

प्रशासन ने मामले में कार्रवाई करते हुए पशु चिकित्सा विभाग में पदस्थ बाबू महेश मालवीय को निलंबित कर दिया है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भी ठीक से मॉनिटरिंग नहीं करने पर पद से हटा दिया गया है। इसके साथ ही शुरुआती जांच के बाद बीईओ विभाग में पदस्थ सहायक ग्रेड 2 (बाबू) रामप्रसाद मंगरोलिया से 7 लाख रुपए से ज्यादा की राशि वसूल की गई है। उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक दर्जन बैंक खाते होल्ड

प्रशासन ने दोनों विभागों के लेखा शाखा की दस्तावेजों को सील कर दिया है। मामले में एक दर्जन बैंक अकाउंट को संदिग्ध मानकर होल्ड किया गया है। अधिकारियों का कहना है, दोनों विभागों में फाइनेंस की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। जैसे-जैसे तथ्य सामने आते जाएंगे आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मानवता और राष्ट्रीयता के भाव को लोगों में जागृत करने के लिए भारत की पद यात्रा करेंगे दो संत

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

दो संत स्वामी निर्मल चैतन्य महाराज और परम पूज्य स्वामी राजेंद्र पुरी महाराज ने संपूर्ण भारतवर्ष की पदयात्रा करने का संकल्प लिया है। मंगलवार को केशव सत्संग भवन खानपुरा में श्री हरि नाम संकीर्तन पदयात्रा समिति द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए निर्मल चेतन्य जी महाराज ने कहा कि, 4 वर्ष पूर्व जब वह मंदसौर आए थे तो इसी धरा से उन्हें संपूर्ण देश की पदयात्रा करने की प्रेरणा मिली। और यही मैंने संकल्प लिया की पदयात्रा करनी है सौभाग्य से मुझे पूज्य स्वामी राजेंद्र पुरी महाराज का भी साथ मिला और हम दोनों ही युवा संन्यासी संपूर्ण भारत की पदयात्रा करेंगे।

उन्होंने बताया कि, मानवता और राष्ट्रीयता का भाव लेकर 25 अक्टूबर को दक्ष मंदिर कनखल हरिद्वार से यात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा में देश के लगभग 500 संत साथ चलेंगे। हम दोनों ही संतों ने पदयात्रा की तैयारी के स्वरूप देश के पूज्य संतों से मिलकर उन्हें पदयात्रा और इसके उद्देश्य से अवगत कराया और आमंत्रित भी किया जिनमें आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज, राजेंद्र दास महाराज, राघवाचार्य महाराज, प्रेमानंद जी महाराज, सहित अनेक पूज्य संत शामिल है। पूज्य संतों यात्रा में साथ चलने और यात्रा की सफलता के लिए पूरा आशीर्वाद दिया है।स्वामी जी ने बताया कि 25 अक्टूबर को हरिद्वार से यह पदयात्रा का शुभारंभ होगा।

जिसमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, समरसता, पर्यावरण संरक्षण, युवा जागरण संस्कृति का पुनरुत्थान जन-जन के मन से वेमनस्यता का भाव खत्म हो आध्यात्मिकता का विकास हो प्रत्येक व्यक्ति धर्मशील होकर सु संस्कृत जीवन जिए। भारत के हर भाषा, प्रांत के हर वर्ग के हर स्तर के हर धर्म के व्यक्ति तक भारतीय दर्शन सर्वे भवंतु सुखिनः और सभी को धार्मिक रूप से संपन्न बनाकर सफल जीवन जीने की प्रेरणा मिले यही सब उद्देश्य इस यात्रा के हैं।

बिना नम्बर की पिकअप से 57 बोरे में जप्त मिला 10 क्विंटल अवैध पदार्थ

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, दो लोग गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

अवैध मादक पदार्थ की तस्करी को लेकर रतलाम पुलिस सतर्क है और लगातार सफलता मिल रही है। एसपी राहुल कुमार लोधा के निर्देश पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी के अंतर्गत अधोगिक थाना क्षेत्र जावरा में पुलिस ने करीब 10 क्विंटल डोडाचुरा बरामद किया है। यह कार्रवाई एएसपी राकेश खाखा व सीएसपी जावरा दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन मे थाना औ.क्षेत्र जावरा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रकाश गाडरिया के नतृत्व में टीम गठित कर को गई।

बिना नंबर की पिकअप में ले जा रहा था डोडाचुरा

जानकारी देते हुए निरीक्षक प्रकाश गाडरिया ने बताया कि, गठित टीम को एक बिना नंबर की बोलेरो पिकअप वाहन त्रिपाल से ढंककर मादक पदार्थ डोडाचुरा भरकर परिवहन कर ले जाने की खबर मिली थी। जिसपर तत्काल टीम ने रवाना हो कर मुखबीर की बताई जगह भीमाखेडी से मामटखेडा रोड़, नाहरसेठ के कुएं से आगे रोड़ पर के पास पड़ी खाली जमीन पर नाकाबंदी की। जहां एक बिना नंबर की बोलेरो पिकअप वाहन आते दिखी जिसे नाकाबंदी कर रोका और पिकअप वाहन में चालक राजू उर्फ घनश्याम पिता देवीलाल उर्फ प्रताप अहीर यादव उम्र 20 साल निवासी अहीरो का मोहल्ला डुंगला रोड खेडाइरान मंगलवाड जिला चित्तोडगढ़ राजस्थान को पकड़ा। साथ बैठे अन्य व्यक्ति दिव्यांश पिता शक्तिसिंह राजपूत निवासी डुंगला जिला चित्तोडगढ राजस्थान चलते वाहन से कुदकर भाग गया। पिकअप को चैक करते उसमें 57 बोरे अवैध मादक पदार्थ डोडाचुरा भरा मिला जिसमे करीब 10 क्विंटल 23 किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ था। इसे मौके पर जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया। साथ ही सफेद बोलेरो कीमती 6 लाख रुपए को भी जप्त किया। बुधवार को पुलिस कोर्ट में पेश कर रिमांड ले कर अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत एवं अन्य आरोपियों के संबंध मे पुछताछ करेगी।

सीधी के बाद राजधानी मे हुआ पेशाब कांड

अतिक्रमण रोकने पर चौकीदार को पीटा फिर शरीर पर किया पेशाब

भोपाल।

मध्य प्रदेश में सीधी वाले पेशाब कांड की तरह ही अब एक और ऐसी ही वारदात कोराजधानी भोपाल में अंजाम गया है। आरोप है कि, यहां 39 वर्ष के एक चौकीदार को पीटा गया और जब मार खाते-खाते वो अचेत हो गया तब आरोपियों ने उस पर पेशाब भी किया। घटना चोपदा कलान गांव की है। यह गांव सुखी सेवनिया थाना क्षेत्र में आता है। पीड़ित गांव में ही चौकीदार के तौर पर काम करता है। घटना 10 सितंबर की बताई जा रही है।

एक न्यूज एजेंसी ने एफआईआर कॉपी के हवाले बताया है कि, आरोपी को पटवारी अरुण मुदग्ल ने उसके मोबाइल पर फोन किया था। फोन करने वाले ने पीड़ित चौकीदार को बताया था कि कोई शख्स गांव में स्थित सरकारी जमीन को तार से घेर रहा है और उसे इसकी पड़ताल करनी चाहिए।

पीड़ित ने एफआईआर में आगे कहा है, मौखिक आदेश मिलने पर मैं स्पॉट पर पहुंचा तो मैंने पाया कि वहां गांव में रहने वाला एक शख्स मस्तन मीणा कुछ मजदूरों के साथ मिलकर तार बांध रहा था। जब मैंने उन्हें ऐसा करने से रोका तो उन्होंने आरोपी शेरू मीणा को वहां बुलाया। वो वहां पर तीन अन्य लोगों के साथ अपनी कार में आया और उसने मुझे गालियां दीं।

पीड़ित ने एफआईआर में आगे बताया कि, जब उसने उनलोगों से कहा कि वो पटवारी से बात करें तक शेरू मीणा और उसके तीन सहयोगियों ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। उसे लात-घूंसे से पीटा गया। इसके बाद शेरू ने रस्सी से उसके हाथ बांध दिये और उसे अपनी कार में बैठा कर दूसरी जगह ले गया।

पीड़ित ने आगे बताया है, आरोपी ने मुझे वहां पीटा और फिर मुझे बेहोशी छाने लगी। शेरू मीणा ने मुझ पर पेशाब किया। इसके बाद वो मुझे फिर संजीव नगर स्थित शेरू मीणा के घर ले गए और मुझे पीट कर कमरे में बंद कर दिया। यहां मैं 2-3 घंटे तक बेहोश पड़ा रहा। पीड़ित ने बताया कि होश आने के बाद वो किसी तरह से थाने पहुंचा था और उसने केस दर्ज करवाया है।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 294, 323, 365, 342, 34 और एससी-एसटी ऐक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अब तक इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, मुख्य आरोपी शेरू मीणा अभी भी फरार बताया जा रहा है। बता दें कि कुछ ही दिनों पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। यही वीडियो सीधी जिले का था। इस वीडियो में नजर आया था कि एक आरोपी परवेश शुक्ला ने एक आदिवासी शख्स पर पेशाब कर दिया था। बाद में राज्य के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित आदिवासी से मुलाकात कर उनका सम्मान किया था।

कांग्रेस की अगुवाई में हुआ धरना सभा का आयोजन, नेताओं ने सरकार पर लगाए कई आरोप

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रदेश की भाजपा आदिवासियों के साथ अन्याय कर रही है, उन्हें प्रताड़ित कर रही है, प्रदेश में अराजकता भ्रष्टाचार व्याप्त है, किसानों की जमीन अधिग्रहण करने का संयंत्र किया जा रहा है, हम आदिवासियों की एक इंच भूमि भी नहीं लेने देंगे यदि आदिवासी उठ खड़ा हुआ तो कोई भी टिक नहीं पाएगा सब भागते नजर आएंगे प्रशासन को भी झुकना पड़ेगा। हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी तो हम आदिवासियों के लिए पहले भी काम करते आए थे फिर से करेंगे। आदिवासियों को बिजली, सड़क, पानी आदि की समस्या से जुझना नहीं पड़ेगा।

उक्त विचार पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने आम्बुआ भीलवट बाबा प्रांगण में आयोजित धरना प्रदर्शन के पूर्व उपस्थित जन समुदाय तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के समक्ष व्यक्त किये। उन्होंने बताया कि, जोबट क्षेत्र के आदिवासियों की भूमि पूंजी पतियों को खदानें देने के नाम पर अधिग्रहण की जाने की जानकारी मिली है। आदिवासी आंदोलन कर रहे हैं हम उनकी जमीन अधिग्रहण नहीं करने देंगे कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। हम कमलनाथ को पुनः मुख्यमंत्री बनाए ताकि आदिवासी, पिछड़ों और अन्य सभी का विकास हो। इस दौरान उन्होंने जोबट क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र गुड़ा में कच्चे मार्ग के निर्माण का शुभारंभ किया। उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं है मैं भी सत्ता में नहीं हूं फिर भी ग्रामीणों की मांग पर हैंडपंप, रोड आदि बनवा रहा हूं। आगे भी जनता की सेवा करता रहूंगा क्षेत्र में बिजली, पानी, रोड आदि की समस्या को लेकर आज हम सभी आम्बुआ भीलवट पर आम्बुआ सगोटा मार्ग जो कि विगत वर्षों में बन जाना चाहिए था नहीं बना है इस पर धरना दे रहे हैं।

कार्यक्रम को नगर पालिका अलीराजपुर की अध्यक्ष श्रीमती सेना पटेल ने संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जीतने का आव्हान किया। धरना सभा को युवा नेता महेंद्र सिंह रावत, विक्रम सिंह रावत, सरदार अजनार, डॉ. राजेंद्र सिंह राठौर, कालू सिंह मेहड़ा, सानी मकरानी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष केसर सिंह, कमरू अजनार आदि ने भी संबोधित किया। एक स्वर में प्रदेश शासन पर कई आरोप लगाए सभी ने बिजली पानी सड़क राशन स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली की स्थिति पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में नारायण चौहान, नादान सिंह रावत, करण सिंह रावत, अमर सिंह डुडवे आदि अनेक पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अमान पठान तथा आभार प्रदर्शन हासीम अली बोहरा ने किया कार्यक्रम में जोबट तथा अलीराजपुर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मकान नामांतरण की जांच सौंपी एसडीएम को

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने जनसुनवाई में घरेलू विवाद, योजना के लाभ, जमीन सम्बन्धी समस्याएं जैसे आवेदनों के निराकरण के लिए सम्बंधित एसडीएम, तहसीलदार और सीईओ को समयावधि में जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस दौरान भीकनगांव में गवली पाडल्या के पदम सिंह को ट्रायसिकल देकर कलेक्टर भवन के द्वार तक छोड़ने आये। इस बीच उन्होंने दिव्यांग पदम और उनकी पत्नी को सम्मानपूर्वक सहयोग करने की बात भी कहीं। इसके अलावा उन्होंने मकान हक के नामांतरण के मामलें में मंडलेश्वर एसडीएम श्री अनिल जैन को जांच सौपी है। साथ ही नगर का मामला होने के कारण सम्बन्धित सीएमओ को भी इस मामलें में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए है। महेश्वर के फिरोज, नवाब, सरफराज, आशिक और सादिक ने कलेक्टर श्री वर्मा को 9 माह से नामांतरण नहीं होने की समस्या से अवगत कराया है।

नानू सोलंकी को पहली किस्त मिली दूसरी के लिए सीईओ जांच करेंगे

कलेक्टर वर्मा को जनसुनवाई में भगवानपुरा के नानू सोलंकी ने बताया कि, उनको पीएम आवास की प्रथम क़िस्त मिल चुकी है। लेकिन द्वितीय क़िस्त के लिए रोजगार सहायक द्वारा जियो टैग किया। लेकिन 11 माह बीत जाने के बाद भी द्वितीय क़िस्त नहीं मिली है। इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी की गई मगर अधिकारी ने झूठा निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने जनपद सीईओ को कॉल कर 3 दिनों में निराकरण कर टीएल बैठक में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

12 किसानों ने किसान सम्मान निधि के लिए किया आवेदन

जनसुनवाई में भगवानपुरा तहसील के देवझिरी गांव के 12 किसानों ने किसान सम्मान निधि प्रदान करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर वर्मा ने पहले तो एसएलआर श्री खुमान सिंह को टीएल बैठक में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

रासेयो पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का जिला स्तर चयन हुआ संपन्न

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन में प्राचार्य डॉ. आर. एस. देवड़ा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए जिला स्तर चयन प्रक्रिया का आयोजन किया गया। चयन प्रक्रिया में पीजी कॉलेज खरगोन, महाविद्यालय बड़वाह, महाविद्यालय कसरावद, कन्या महाविद्यालय खरगोन व जीआरव्हाय इंस्टीट्यूट बोरावा की दो-दो छात्राओं ने सहभागिता की। चयन समिति द्वारा शारीरिक क्षमता, परेड कौशल, सांस्कृतिक गतिविधियां जैसे नृत्य, गायन, वादन, अभिनय आदि बिंदुओं को लेकर जिले की समस्त इकाइयों से चार श्रेष्ठ छात्राओं का चयन आगामी विश्वविद्यालय स्तरीय चयन के लिए किया है। जिसमें सलोनी पाटीदार महाविद्यालय मंडलेश्वर, श्रेया सेन महाविद्यालय खरगोन, पिंकी वर्मा महाविद्यालय बड़वाह व काजल राजपूत जीआर व्हाय इंस्टिट्यूट बोरावां तथा प्रतीक्षा सूची के लिए दो छात्राओं का चयन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुरेश अवासे ने कहा कि, आगामी गणतंत्र दिवस परेड शिविर नई दिल्ली में महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए केवल छात्राओं का मार्चिंग दस्ता ही कर्तव्य पथ पर परेड में सहभागीता करेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना का पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर रासेयो क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ उत्तर प्रदेश की संगठन व्यवस्था में माह अक्टूबर- नवंबर 2023 में आयोजित होना प्रस्तावित है। महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पुष्पा पाटोदे ने समस्त चयनित छात्राओं आगामी विश्वविद्यालय स्तर चयन के लिए आवश्यक मापदंड व दिशा निर्देशों से अवगत कराया।

जिला स्तर पर चयन प्रक्रिया में पूर्व जिला संगठक अधिकारी डॉ. सुदामा ठाकरे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रविंद्र बर्वे, डॉ. वंदना बर्वे प्रो. संजय कोचक, डॉ. रफिया एजीज, डॉ. रजनी खेडेकर, पुष्पेन्द्र नामदेव, वरिष्ठ स्वयंसेवक सावन धनगर, संवेदना पंढाणे, पूजा सोलंकी, हर्ष राठौड़, गौतम भालसे, साक्षी, पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

इंटरवेंशनल कार्यक्रम के तहत जिला जेल में जॉच शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

जिला जेल खरगोन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण क्रार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग निदान कार्यक्रम राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण क्रार्यक्रम के तहत प्रदेश की जेलों में परिरूद्ध बंदियों के स्वास्थ्य उन्नयन, जागरूकता व उपचार प्रबंधन के लिए बुधवार को जेल इंटरवेशनन कार्यक्रम के तहत जॉच शिविर जिला जेल से प्रारंभ हुआ। जेल विभाग से जारी प्रेसनोट के अनुसार जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनय सिंह चौहान ने कैम्प के तहत लक्ष्यगत बिमारियों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही कैदियों को बिमारियों से कैसे बचाव किया जाए। वहीं एड्स नियंत्रण व क्षय रोग अधिकारी डॉ. आफताब लोधी ने अग्रणी जॉच अग्रणी उपचार व शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं बताई और कहा कि किस तरह से हम स्वास्थ्य सुधार के लिए सेवाएं व आर्थिक सहयोग लेकर स्वयं के स्वास्थ्य के साथ समग्र समाज का भला कर सके।

इस दौरान जेल अधीक्षक जेआर मण्डलोई द्वारा संबोधित कर शासन द्वारा संचालित जेल इंटरवेशन की उपयोगिता और जिले में इसके क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने जिले की समस्त जेलों में इसके प्रभावी गुणात्मक क्रियान्वयन पर अपनी बात रखी। इस गतिविधि कें अंतर्गत कुल 408 बंदियों में से प्रथम शिविर में 100 बंदियों की जॉच की गई। जिसमें 03 सिफलिश रिक्टिव व 02 हेमेटाईटिस बी, रिक्टिव पाये गये। शेष जॉच आगामी जॉच शिविर पर होगी।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के ललीत मण्डलोई, महेश चौहान, उत्तम पाटीदार, अकलिम शेख, पवन चौहान, जिला जेल फार्मासिस्ट रूपसिंह उईके, जेल शिक्षक सुरेन्द्र गाडगे उपस्थित रहे। उप जेल अधीक्षक वीबी प्रसाद द्वारा जिला चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया।

जनसेवा मित्र ने किया महिला चौपाल का आयोजन

माही की गूंज, अमरगढ़।

मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रो में पहुंचकर शासन की योजनाओं से ग्रामीणों को रूबरू करवा रहे है। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा योजनाओं का लाभ लेने में आ रही परेशानी भी जनसेवा मित्रो के सामने आ रही है जिसका सफल निराकरण जनसेवा मित्रो द्वारा किया जा रहा है। इसी तारतम्य में मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र राहुल भाभर द्वारा महिला चोपाल कार्यकम आयोजन ग्राम अमरगढ़ व ग्राम बामनिया में किया गया। जिसमे महिलाओ को होने वाले समस्त समस्याओ के बारे में चर्चा की गई। बताई गई समस्या पर जनसेवा मित्र राहुल भाभर द्वारा विशेष रूप से ध्यान दिया गया। आयोजित की गई महिला चोपाल में कई समस्याएं महिलाओं द्वारा बताई गई। जिनमे लाडली बहना के फॉर्म से भरने से वंचित रहे उनके लिए ऑनलाइन की प्रोसेस फिर से चालू की जाये, उज्वाला योजना में चालू की जाये, पीएम आवाज योजना का लाभ नही मिल पाया है आदि समस्याएं सामने आई।

जनसेवा मित्र राहुल भाभर ने बताया कि, जो समस्याए सामने आई है उनका निराकरण किया जाएगा व सूचना उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जायेगी। जिन महिलाओ को सरकार की समस्त योजना जो मिल रही है उससे वे सभी महिला खुश है।

निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

राष्ट्रीय पोषण माह एवं आयुष आपके द्वार अंतर्गत जिला आयुर्वेद चिकित्सालय द्वारा मंगलवार को शहर की आंगनवाड़ी वार्ड क्रमांक 18 में निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं संबधित स्वास्थ्य दिनचर्या एवं रोगों का परीक्षण कर उन्हें कुपोषण संबंधित जानकारी दी गई। वहीं बच्चों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर कृमि नाशक गोली एलबेंडाजोल दी गई। शिविर में महिला रोगियों का परीक्षण डॉ. निर्मला मौर्य द्वारा किया गया।

पेसा प्रशिक्षण कार्यशाला का शिव मंदिर में हुआ समापन

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् एवं ट्राइबल इथोस एवं इकोनॉमिक्स रिसर्च महाराष्ट्र के सहयोग से आयोजित सेक्टर स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला का पेसा ब्लॉक समन्वयक सतीश भूरिया, जन-अभियान परिषद् जिला समन्वयक ज्योति वर्मा, मास्टर ट्रेनर भीमा सोलंकी उपस्थित थे। पैसा एक्ट समिति अध्यक्ष, सचिव, छात्र, समाज सेवक, नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समितियों, मोबीलाईजर, जनसेवा मित्र के सदस्यों के साथ सभी पंचायतों के सचिव, ग्रामवासि उपस्थित थे।

पेसा एक्ट की जानकारी देने हेतु चाटली में हुआ कार्यशाला का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ग्राम पंचायत चाटली मे प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। जिसमे मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन) एवं ट्राइबल इथोस एवं इकोनॉमिक्स रिसर्च (तीर फाउण्डेशन) महाराष्ट्र के सहयोग से आयोजित सेक्टर स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ जिला समन्वयक श्री प्रितम राज बड़ैले द्वारा किया गया। जिला समन्वयक प्रितम राज द्वारा नवीन ग्रामसभा गठन की प्रक्रिया, पेसा अधिनियम से लेकर सम्पूर्ण पेसा की जानकारी प्रशिक्षणार्थी को दी गई। समितियों के दायित्व एवं किस प्रकार से उन्हें कार्य करना है बताया गया, उसके पश्चात नई ग्रामसभा गठन के लिए कैसे ग्रामीणजन के साथ मिलकर सबसे पहले ग्रामसभा का अध्यक्ष चुना जाता है, उसके पश्चात ग्राम का नजरी नक्शा बनाया, फिर ग्राम के मतदाताओं के हस्ताक्षर कराए जाते है। पेसा एक्ट किस प्रकार से हमारे अधिकार की बात कर हमे अधिकार दिला रहा है। जंहा हमारी संस्कृति अनुसार जो हम हमारे गांव के छोटे-छोटे विवाद को हम गांव वालो के साथ मिलकर सुलझाते है सभी बिंदुओं को विस्तार से समझाया तथा ग्राम पंचायत में नवीन ग्रामसभा का जमीन पर नजरी नक्शा तैयार कर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण -पत्र प्रदान किये गये। चाटली सेक्टर का प्रशिक्षण सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ। जिसमे ब्लॉक समन्वयक श्री कलसिंह सोलंकी प्रस्फुटन समिति के सदस्य, पेसा मोबिलाइजर, पंचायत सचिव/रोजगार सहायक, समाजसेवी पटेल पुजारा आदि प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हुए।

नेशनल सुसाइड प्रीवेंशन सप्ताह के अंतर्गत हुआ कार्यशाला का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

बुधवार को शहीद भीमा नायक कॉलेज में नेशनल सुसाइड प्रिवेंशन सप्ताह के अंतर्गत बड़वानी जिले में आत्मदाह के प्रयासों को रोकने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला सेनानी शरदचंद्र राय ने डिजास्टर मैनेजमेंट के बारे में बताया गया। जिले में आत्मदाह के जोखिम को न्यूनतम करने के लिए जिला सलाहकार श्री निखिलेश बरोरे द्वारा आंकड़े प्रस्तुत कर जागरूक किया गया। साथ ही जिला अस्पताल बड़वानी से आए डॉ. मनीष व डॉ. राहुल द्वारा मानसिक रोगियों की पहचान और समाधान बताये गये। मंच का संचालन प्रोफेसर ऋतु कुमरावत द्वारा किया गया।

माही की गूंज
बेबाकी के साथ..सच
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, बरवेट, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा), सौंडवा, कट्ठीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहा है प्रदेश में हर वर्ग का सर्वांगिण विकास- सांसद शार्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश के हर वर्ग का सर्वांगीण विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री सिर्फ मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि वे तो प्रदेश की बहनो के भाई, बेटा-बेटियो के मामा तथा जनता के सेवक है। उन्होने प्रदेश की जनता के हर वर्ग के लिये अनेक जनकल्याणकारी योजनाए चलाई है, और उन योजनाओं से प्रदेश के नागरिको के जीवन स्तर में सुधार भी हुआ है। उक्त बाते खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने निवाली में आयोजित कार्यक्रम में जनसमूह को सम्बोधित करते हुये कही। कार्यक्रम में उपस्थित केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण और उद्योग तथा जलशक्ति मंत्री प्रहलादसिंह पटेल ने केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में उपस्थित केन्द्रीय युवा और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के नेतृत्व में देश व प्रदेश का विकास हो रहा है। देश व प्रदेश की सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि जनता के जीवन स्तर को उँचा उठाना और इसी के लिये ही बहनो, भाईयो, माता-पिता, बेटा-बेटियो के लिये अनेक योजनाऐं संचालित की जा रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, जिलाध्यक्ष ओमसोनी, क्षेत्र के गणमान्यजन सर्वश्री सावन सोनकर, कन्हैया सिसोदिया, श्याम बरडे, विकास डावर सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया कल करेंगे जनसभा को संबोधित

माही की गूंज, आम्बुआ।

अभी विधानसभा चुनाव की घोषणा नहीं हुई है बावजूद चुनावी परिदृश्य दिखाई देने लग लग गया है। भाजपा ने विगत दिनों अलीराजपुर जिले की दो विधानसभाओं में से अलीराजपुर विधानसभा क्षेत्र हेतु पूर्व विधायक नागरसिंह चौहान को मैदान में उतारने का ऐलान किया मगर जोबट में अभी प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है। शायद इसी को मद्देनजर भाजपा जन आशीर्वाद यात्रा के माध्यम से जोबट विधानसभा क्षेत्र के केंद्र बिंदु कहे जाने वाले आम्बुआ कस्बे में 15 सितंबर को एक विशाल जनसभा आयोजित करने जा रही है। पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आने की चर्चा थी मगर अब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आ रहे हैं जो कि विगत उपचुनाव में भी आम्बुआ आए थे और भाजपा के पक्ष में ऐसा माहौल बनाया था कि प्रत्याशी को जीत मिल गई थी।

आम्बुआ-जोबट विधानसभा क्षेत्र का एक ऐसा केंद्र बिंदु है कि, कोई भी राजनीति पार्टी यहां पर जनसभा करने से परहेज नहीं कर सकती फिर चाहे कांग्रेस के कमलनाथ, दिग्विजय सिंह हो या भाजपा से शिवराज सिंह चौहान या उमा भारती हो। सभी ने आम्बुआ में जनसभाएं की है। वर्तमान समय में अभी चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव की घोषणा भले ही ना कि हो मगर चुनावी परिदृश्य दिखाई पड़ने लगा है। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा जो की अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा क्षेत्र के खट्टाली से प्रवेश कर 15 सितंबर को आम्बुआ पहुंचेगी। पहले इस यात्रा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आने की चर्चा थी मगर अब केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कार्यक्रम घोषित किया गया।

कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने स्थिति का अवलोकन करने के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष मकू परवार, पूर्व अध्यक्ष तथा यात्रा के जिला प्रभारी किशोर शाह, आम्बुआ जनसभा प्रभारी इन्दरसिंह चौहान, पूर्व विधायक तथा वन निगम अध्यक्ष माधोसिंह डावर, विधायक प्रतिनिधि विशाल रावत, इंदौर संभाग यात्रा प्रभारी शैलेंद्र, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, जिला महामंत्री मांगीलाल चौहान, जोबट यात्रा प्रभारी मुकाम सिंह डावर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विकास माहेश्वरी, मंडल अध्यक्ष जुवान सिंह रावत आम्बुआ पहुंचे तथा आम्बुआ जोबट तिराहे पर सभा स्थल का चयन किया जाकर कार्यकर्ता को तैयारी हेतु निर्देशित किया। आम्बुआ में सिंधिया दोपहर लगभग ढेड़ बजे सभा को संबोधित करेंगे। यहां से यात्रा आजाद नगर की ओर रवाना हो जाएगी।

बाल शिव भक्त मंडल द्वारा घर-घर बांटे गए आमंत्रण पत्र का हुआ असर, बच्चे जुड़ रहे शिवालय से

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ हथिनेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े हुए बाल शिव भक्त मंडल द्वारा सावन मास के पूर्व आस्था आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ में शिव भक्ति से जुड़ने संबंधी आमंत्रण पत्र का असर अब दिखाई देने लगा है। कस्बे के छोटे-छोटे बच्चे शिवालय से जुड़ते जा रहे हैं जो कि भविष्य में नन्हे शिव आराधकों की संख्या बढ़ते जाने का संकेत कहा जा सकता है।

भूत भावन भोलेनाथ की पूजा अर्चना यो तो 12 माह की जाती है। मगर श्रावण मास में पूजा अर्चना का विशेष पुण्य मिलता है। सीहोर वाले सदुरु पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जी की विशेष प्रेरणा से आम्बुआ मे बच्चों ने बाल शिव भक्त मंडल का गठन किया तथा शिव भक्ति में जुट गए। इन्हीं बाल शिव भक्तों ने सावन माह के पूर्व शिव भक्ति में स्वयं तथा परिवार के बच्चों को जोड़ने के आवाहन भरे आमंत्रण जिसमें निवेदन किया गया कि, समस्त सनातन हिंदू धर्म को मानने वाले परिवार स्वयं तथा अपने बच्चों को प्रतिदिन एक लोटा जल लेकर शिवालय आए तथा शिव भक्ति में जुड़ जाए। इन आमंत्रण पत्र या टेम्पलेट का असर यह हुआ कि, अब बड़े शिव भक्तों की अपेक्षा नन्हे शिव भक्तों की संख्या अधिक रह रही है। यह शिव भक्ति भविष्य में भी जारी रहने की उम्मीद की जा रही है।

आसमान से अमृत बूंदों की बारिश से फसलों को मिला जीवन दान

फसलों के साथ कृषकों के चेहरे खिले

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विगत दिनों से रुकी बारिश के कारण फसलों की खराब होती स्थिति से चिंतित कृषकों के चेहरों पर चिंता दिखाई दिए रही थी। वर्षा हेतु प्रार्थना तथा टोने टोटके किए जा रहे थे। जिसके परिणाम स्वरुप ऊपर वाले ने उनकी सुनी तथा विगत दो दिनों से रिमझिम अमृत वर्षा से राहत महसूस की जा रही है।

इस वर्ष वर्षा में विलंब होने के बावजूद कृषको ने जैसे तैसे खेतों में बीज बो दिया तथा हल्की बुदा बांदी के बीच फासले खेतों में लहराने लगी इस वर्ष फसलों की स्थिति बहुत अच्छी बताई जा रही है। मगर इसी बीच बारिश थम जाने के कारण फसलों की हालत खराब होने लगी मुरझा रही फसलों को देख-देखकर कृषकों के चेहरे भी मुरझाने लगे। मजबूरन क्षेत्र में पूजा प्रार्थना तथा टोटकों का दौर चला। जिसका नतीजा यह रहा कि, 15 दिनों से रुकी बारिश का क्रम विगत दो दिनों से रुक-रुक कर रिमझिम रिमझिम वर्षा हो रही है। जिस कारण फसलों को नवजीवन मिल रहा है। मुरझाई फसलों को खिला-खिला देखकर कृषकों के चेहरे भी खिल उठे हैं। हालांकि अभी क्षेत्र में नदी, नाले, तालाब, कुएं आदि खाली पड़े हैं जिस कारण तेज बारिश की जरूरत है।

कृषक लोकेंद्र सिंह राठौर बोरझाड़ ने बताया कि, सूखती फसलों को इस रिमझिम वर्षा से जीवनदान मिला है।

कृषक कमलसिंह कनेश का कहना है कि, अभी क्षेत्र में तेज वर्षा की जरूरत है ताकि भविष्य के लिए जल संग्रह हो सके।

कृषक अमरसिंह डुडवे मोटाउमर का कहना है कि, इस बारिश से मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, कपास को अच्छा लाभ मिलेगा।

स्वीप गतिविधियों से मतदाता जागरूकता के किए जा रहे प्रयास

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अभय अरविंद बेडेकर के दिशा निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी अभिषेक चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अलग-अलग तरह की स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं के मतदान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिले में स्वीप गतिविधियों के तहत मतदान जागरूकता के प्रयासों में जिले में विभिन्न स्कूलों के स्कूली विद्यार्थियों द्वारा ग्राम एवं फलिया स्तर पर जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। मानव श्रृंखला बनाकर तो कही जागरूकता रैली, कही महिलाओं द्वारा शपथ लेकर मतदाता जागरूकता के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। जागरूकता रैली में स्कूली बच्चे नारे लगाते हुए निकलकर पूरे उत्साह के साथ ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। वहीं ग्रामीण महिलाओं द्वारा मनमोहक मेहंदी लगाकर ग्रामीणों से मतदान जागरूकता की पहल की जा रही है। ग्रामीण महिलाओं ने जागरूकता रैली निकालकर स्वयं मतदान का संकल्प लिया तथा अन्य मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा मतदान के संदेश लिखे स्लोगन के माध्यम से मतदान की अपील करते हुए ग्रामीणों को मतदान हेतु प्रोत्साहित करते हुए स्वयं मतदान करने एवं मतदान के लिए अन्य ग्रामीणों को प्रोत्साहित करने की शपथ ली जा रही है। स्वीप गतिविधियों के तहत महिलाओं द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर स्वयं मतदान करने तथा अन्य मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने का विशेष प्रयास किये जा रहे है।

कोचिंग में टीचर ने की गंदी बात, पीटते हुए ले गए थाने

माही की गूंज, इंदौर।

मध्य प्रदेश के इंदौर के तुकोगंज में एक टीचर ने गुरु और शिष्य के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। तुकोगंज थाना क्षेत्र में एक निजी इंस्टिट्यूट के टीचर ने वहीं पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत की। परिजनों को जब इसकी जानकारी हुई तो वे आगबबूला हो गए। उन्होंने टीचर के कपड़े उतारवाए और उसे पीटते हुए थाने ले गए। पुलिस का कहना है कि वह छात्रा से बातचीत के बाद मामला दर्ज करेगी। परिजन जब सड़क पर न्यूड शिक्षक की पिटाई कर रहे थे तब कई राहगीरों ने इसका वीडियो बना लिया।

खरगोन की रहने वाली 17 वर्ष की छात्रा नीट की तैयारी करने के लिए इंदौर के आकाश इंस्टीट्यूट आती है। छात्रा के परिजनों ने बताया कि, मंगलवार को उसे इंस्टिट्यूट में पढ़ने वाले टीचर शैलेंद्र पांडे ने कैंटीन में मैगी खाने के लिए बुलाया। कैंटीन में बात करते-करते टीचर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत की। जिसकी जानकारी उसने अपने परिजनों को दे दी। परिजन रात में ही खरगोन से इंदौर के लिए रवाना हो गए।

सुबह परिजन आकाश इंस्टीट्यूट पहुंचे तो शैलेंद्र पांडे से उन्होंने बातचीत की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। परिजनों के सामने जब छात्रा ने टीचर की करतूत बताई तो उन्होंने उसके कपड़े उतार दिए और पीटते हुए थाने ले गए। पुलिस नाबालिग छात्रा से बात करने के बाद मामला दर्ज करने की बात कह रही है। परिजनों ने इंस्टिट्यूट के कई अन्य लोगों पर भी आरोप लगाए हैं। वहीं बुधवार सुबह राह चलते कई लोगों ने टीचर की पिटाई का वीडियो बना लिया।

आयुष्मान भवः अंतर्गत स्वास्थ्य मेले में 943 मरीजों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

माही की गूंज, धार।

आयुष्मान भवः अंतर्गत विकासखंड धरमपुरी के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धामनोद में सीबीएमओ कीर्ति बौरासी के मार्गदर्शन मे विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं माल्यार्पण कर किया गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीज आए थे। शिविर में इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर एवं जिला स्तर से विभिन्न पद्धति के चिकित्सक द्वारा सेवाएं दी गई। इस अवसर पर कुल 943 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही विभागीय आईईसी का प्रदर्शन किया गया। जिसमें परिवार कल्याण, मातृत्व स्वास्थ्य गैर संचारी रोग, टीबी रोग, मलेरिया की प्रदर्शनी व डेंगू, मलेरिया मच्छर के लार्वा प्यूपा स्टेज की प्रदर्शनी भी रखे गए। कुष्ठ रोग आदि का आईईसी के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत डिजिटल हेल्थ आईडी पहचान पत्र कुल 67 बनाए गए। साथ ही कुल 37 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। जिले से आए ब्लड डोनेशन यूनिट के माध्यम से 2 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया । स्वास्थ्य आयुष विभाग सुंद्रेल डाक्टर चंपालाल पांन्चूरे द्वारा भी 327 मरीज देखे गए । संचालन श्री अशोक पटेल टीकाकरण प्रभारी द्वारा किया गया है। आयुष्मान मेले में मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी धार से डीपीएम, डीसीएम, मेडिकल ऑफिसर, बी. ई. ई., बीपीएम, बीसीएम, मलेरिया निरीक्षक, एम.टी. एस., सीएचओ, लैब टेक्नीशियन, स्टाफ नर्स, फार्मासिष्ट, एमपीडब्ल्यू, एएनएम, आशा सुपरवाइजर एवं आशा कार्य कर्ता, वार्ड बाय, ड्रेसर आदि अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा उपस्थित होकर स्वास्थ्य सेवाए दी गई है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

बालिकाओं को दिया जा रहा निःशुल्क आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण

माही की गूंज, धार।

जिला प्रशासन, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं वसुधा विकास संस्थान द्वारा संचालित ''महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना'' के अंतर्गत जिले के पर्यटन स्थल धार में महिलाओं की सुरक्षा हेतु स्थानीय बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण का शुभारम्भ शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,क्र.1 में किया गया।

इस अवसर पर वसुधा विकास संस्थान से मिथुन रावत ने कहा कि, बालिकाओं के लिए यह एक अच्छा अवसर है, जहाँ वे अपने निकट इस तरह का प्रशिक्षण ले सकती है, जो भविष्य में उन्हें किसी भी आपातकालीन स्थिति में किसी अवांछित घटना से बचने में सहायक होगा। परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से परियोजना काल में पर्यटन स्थल की लड़कियों को आत्म सुरक्षा का निशुल्क प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। इसी क्रम में धार की बालिकाओं के साथ प्रशिक्षण का नया बैच शुरु किया जा रहा है। जिसमे मास्टर ट्रेनर सुश्री खुशबू पंवार द्वारा लड़कियो को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमे बालिकाओं को किसी भी आकस्मिक स्थिति में स्वयं की रक्षा करने की तकनीकों के बारे में जानकारी देने के साथ ही उनका व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को साइबर क्राइम, इन्टरनेट सेफ्टी, महिला हेल्प लाइन, महिला डेस्क, वन स्टॉप सेंटर आदि के बारे में जागरूक करने के लिए सत्र आयोजित किये जाएगे।

मुख्य अतिथि पुलिस विभाग से महिला थाना प्रभारी सुश्री रेणु अग्रवाल ने कहा कि, आत्मरक्षा प्रशिक्षण हर एक लड़की को लेना चाहिए क्योंकि आज के समय की यह जरूरत है। आत्म रक्षा प्रशिक्षण की क्लास आप सभी निरंतर ले, जिससे आप में आत्मविश्वास भी बढ़ेगा व साथ ही आपका शरीर भी मजबूत होगा। अगर किसी भी लड़की के साथ कुछ घटना होती है तो आपको अपना बचाव तो करना ही है लेकिन उस घटना की पुलिस थाने में रिपोर्ट भी लिखवाना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि, लड़कियों का काम सिर्फ यह नहीं है कि वह खाना बनाएं बल्कि अच्छे से पढ़ लिखकर बड़े ऑफिसर बने व खुद के नाम के साथ-साथ अपने माता-पिता का नाम भी रोशन करें। संचालन राजेश खाड़ीकर (सिक्योरिटी ट्रेनर) ने किया। कार्यक्रम में अभय किरकिरे, ओमप्रकाश बैरागी, ओमप्रकाश दया, सुश्री वंदना राठौर, शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थे।

प्रवीण सुराना मतलब राजगढ़ नाका या भानू भूरिया?

कार्यवाहक क्यों... जिलाध्यक्ष क्यों नही...?

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। प्रभाव और प्रभावियों की दौड़ में फिर से एक नया मोड़ आकर खड़ा हो गया है। वजूद की लड़ाई में फिर से नई जान नजर आ रही है। वैसे तो यह विधानसभा चुनावों का सीजन शुरू हो रहा है, लेकिन संगठन में हो रही उठा पटक भी बासी खिंचड़ी में उबाल लाने जैसे दिखाई दे रही है। झाबुआ विधानसभा प्रत्याशी के तौर पर भानू भूरिया का नाम सामने आने के बाद उनके पास मौजूद संगठन के पदों को लेकर विरोध के सुर विधानसभा क्षेत्र में दिखाई पड़ रहे है। हालांकि भानू और भाजपा इसे खुले तौर पर सिरे से नकारते नजर आ रहे है। बावजूद इसके संगठन ने शायद विरोध को देखते हुए भानू से जिलाध्यक्ष का पद छीना या नहीं यह अब भी सवालों के घेरे में है। क्योंकि भानू को जिलाध्यक्ष पद से हटाने संबंधी कोई पुख्ता खबर अब तक सामने नहीं आई है, हां यह जरूर हुआ है कि, जिले में कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर प्रवीण सुराना का एलान अधिकारिक तौर पर प्रदेश संगठन ने कर दिया है। अब सवाल यह उठ रहे है कि, आखिर प्रवीण सुराना को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाकर भाजपा कौन से नए खेल को अंजाम दे रही है...? सवाल यह भी कि, सुराना को कार्यवाहक अध्यक्ष ही क्यों बनाया गया, जिलाध्यक्ष क्यों नही...? राजनीतिक विशेषज्ञों का यह मानना है कि, भाजपा संगठन ने यहां अपने एक कर्मठ सिपाही का इस्तेमाल महज कुर्बानी के लिए किया है। जिले की राजनीति में प्रवीण सुराना का नाम कोई नया नाम नहीं है। दिलीपसिंह भूरिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और लगातार भाजपा संगठन के लिए काम किया। सुराना ने कांग्रेस का गढ़ कहे जाने वाले कल्याणपुरा को भाजपा की अयोध्या में तब्दील कर दिया। कई चुनावों में सुराना ने अपनी अहम भूमिका अदा की है। इस बात पर किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। कभी किसी बात को लेकर संगठन से किसी तरह की कोई नाराजगी भी सुराना ने अब तक जाहीर नहीं की है। कुल मिलाकर पूरा समर्पण भाजपा संगठन के प्रति सुराना का रहा है। बावजूद इसके संगठन ने उन्हे वह एहमियत नहीं दी जो दी जानी चाहिए थी। सुराना के समर्पण के चलते ही वे हमेशा जिलाध्यक्ष की दौड़ में रहे है। यह और बात है कि, भाजपा प्रदेश संगठन की नजरें उन्हे परखने में अब तक नाकामयाब ही रही। अब जबकि भाजपा प्रदेश संगठन एक ऐसे मौड़ पर आकर खड़ा हो गया जहां जिलाध्यक्ष को प्रत्याशी बनाने के बाद स्थिति उस सांप सी हो गई जो छछुंदर को मुंह में लेने के बाद ना उगल सकता ना निगल सकता। बस इसी स्थिति से निकलने के लिए प्रदेश भाजपा संगठन ने प्रवीण सुराना को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष के रूप में नियुक्त कर दिया। हालांकि चुनावी माहौल को देखते हुए सुराना का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनाया जाना कई तरह के संदेह को पैदा कर रहा है। अगर इस विधानसभा चुनाव में पार्टी जिले में हारती है तो सुराना का जाना भी तय ही है। मगर भाजपा जिले में इस विधानसभा में विजयश्री प्राप्त करती है तब भी यह संदेह बना रहेगा कि, अब अगला जिलाध्यक्ष कौन...? क्योंकि सुराना तो वर्तमान में कार्यवाहक जिलाध्यक्ष है। एक सवाल यह भी उठता है कि, अगर पार्टी जीतती है या हारती है, तो क्या विधानसभा चुनावों के बाद भानू भूरिया फिर से जिलाध्यक्ष के पद पर यथावत रहेंगे...? क्योंकि हाला स्थितियां तो यही बयां कर रही है। ऐसा तो बिल्कुल भी नहीं है की जिले में भाजपा के पास ऐसा कोई चेहरा नहीं है जो जिलाध्यक्ष बन सके या जिले में पार्टी का नेतृत्व कर सके। वैसे तो ऐसे चेहरों की भरमार है फिर जिलाध्यक्ष की घोषणा ना करते हुए कार्यवाहक जिलाध्यक्ष की घोषणा संगठन की कार्यप्रणाली और दक्षता पर सवाल खड़े कर रहा है।

अब सुराना किधर के...?

अब जबकि सुराना को कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनाया जा चुका है तो एक मुद्दा इस चुनावी माहौल में और गर्मा गया है कि, अब सुराना किधर के...? बाजार में चर्चा का दौर भी गर्म है कि, सुराना अब आखिर किधर के...? चर्चाओं के अनुसार एक बात यह सामने निकल कर आ रही है कि, चूंकि सुराना हमेशा से ही राजगढ़ नाका के सिपह सालार रहे है, तो इस चुनावी माहौल में राजगढ़ नाका की स्थिति मजबूत होती दिखाई दे रही है। कहने वाले तो यहां तक कह रहे है कि, प्रवीण सुराना को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही जिलाध्यक्ष की दौड़ में लगे सारे चेहरे भरसक प्रयास में लगे है कि, जिलाध्यक्ष का यह पद उनकी झोली में आकर गिरे। इसी कवायद का एक हिस्सा सीधे तौर पर राजगढ़ नाका से ही जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

वैसे अगर देखा जाए तो राजगढ़ नाका और भानू भूरिया गुट में कभी कोई गहरा सामंजस्य नहीं देखा गया। इस स्थिति में यह भी कयास लगाए जा रहे है कि, पावर में आने के लिए कहीं राजगढ़ नाका ही भानू भूरिया को ना निपटा दे। चूंकि पिछले कुछ वर्षों में भानू का कद बहुत अधिक बढ़ा है और राजगढ़ नाका लंबे समय से लुप लाईन में है। युवा मोर्चा से निकलकर सीधे तौर पर 2018 में विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया से सीधी टक्कर ने इसमें चार चांद लगा दिए थे। हालांकि तब भानू भूरिया को हार का सामना करना पड़ा था लेकिन वे विधानसभा में सबसे अधिक वोट पाने वाले भाजपा प्रत्याशी बन गए थे। 2018 का विधानसभा उपचुनाव हारने के बावजूद भानू का प्रदेश स्तर के नेताओं से जीवित संपर्क उन्हे एक नई उचाईयों तक ले गया। जिसका परिणाम यह रहा कि, प्रदेश संगठन ने जिले की कमान भानू भूरिया के हाथों में सौंप दी। कद बढ़ने के साथ-साथ भानू ने प्रदेश संगठन में अपनी पैठ बनाई जिसने उन्हे विधानसभा 2023 के चुनावों के लिए झाबुआ विधानसभा 193 का प्रत्याशी बना दिया। भानू के इस बढ़ते कद को जिला मुख्यालय के कई ग्रुप पचा नहीं पा रहे है। यही वह कारण है जो इस बात के लिए संदेह पैदा कर रहा है कि, प्रवीण सुराना का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष बनना कहीं भानू को नुकसान तो नहीं पहुंचाएगा...? क्योंकि प्रवीण सुराना मतलब राजगढ़ नाका...?

यह सिक्के का एक पहलू है। मगर सिक्के का दूसरा पहलू भी है जो कुछ ओर ही कहानी बयां करता है। वह यह कि प्रदेश संगठन द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया को ही विधानसभा प्रत्याशी बनाने के बाद उभरे विरोध को शांत करना कहीं मुश्किल ना हो जाए, इसी स्थिति को भांपते हुए भाजपा प्रदेश संगठन ने भाजपा जिलाध्यक्ष पद को बचाते हुए कार्यवाहक जिलाध्यक्ष की घोषणा कर दी। इसको देखते हुए यह कयास लगाए जा रहे है कि, प्रदेश भाजपा संगठन ने यह चाल सिर्फ इसलिए चली कि, सांप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे। अब इस स्थिति में यह माना जा रहा है कि, जिलाध्यक्ष तो भानू भूरिया ही है, प्रदेश संगठन ने कार्यवाहक अध्यक्ष जो बनाया है वह भानू भूरिया के हाथों की कठपुतली मात्र है। मतलब यह कि, प्रवीण सुराना मतलब भानू भूरिया...?

खैर जो भी हो लेकिन इन सारी स्थितियों के बीच अगर कुछ नुकसान होता है तो वह सिर्फ और सिर्फ प्रवीण सुराना का ही होगा। क्योंकि भाजपा प्रदेश संगठन ने अपने एक कर्मठ सिपाही को इस तरह दाव पर लगाया है कि, अंजाम चाहे जो हो बली का बकरा तो बनना ही है। इससे अच्छा यह होता कि, भाजपा प्रदेश संगठन प्रवीण सुराना को कार्यवाहक की जगह जिलाध्यक्ष पद पर बैठाकर विधानसभा 2023 के रण में उतारता। हो सकता था इस स्थिति में प्रवीण सुराना भाजपा के लिए वह तुरूप का इक्का साबित होते जो जिले में भाजपा की डामाडोल बाजी को जीती हुई बाजी में तब्दील कर देता।

अतिथि शिक्षको की नियुक्ति में हो रहा खेल, अंधा बांट रहा अपने-अपने को रेवड़ी

अतिथि भर्ती की जांच में हो सकता है बड़ा खुलासा

बिना विज्ञप्ति के एक आवेदन पर ही कर दी गई भर्ती, ज्यादातर स्कूलों में शिक्षकों के करीबी की भर्ती

माही की गूंज, पेटलावद।
राकेश गेहलोत

लम्बे समय से अतिथियों को लेकर राजनीति होती आ रही। इस बार सत्ता में बैठी भाजपा और विपक्ष में बैठी कांग्रेस सत्ता में आने को बेकरार है दोनो ही अतिथी शिक्षको के लिए पैकेज की घोषणा करेगे जिसमें सत्ता में बैठी भाजपा त्वरित कोई लाभ दे सकती है तो कांग्रेस सत्ता में आने के बाद उन्हे लाभ देने का कहेगी इसकी पूरी उम्मीद् थी। चुनावी वर्ष होने से सभी को पुर्व से पता था कि, मुख्यमंत्री इस बार अतिथि शिक्षको का उद्धार जरूर करेंगे। इसी पूर्वानुमान के चलते स्कूलों में सेटिंग से जमे हुए जिम्मेदारो ने अपने नाते रिश्तेदारों को अतिथि शिक्षक के पदो पर नियुक्ति देने मे कोई कसर नहीं छोड़ी। सारे नियमों को ताक में रखकर ऐसा खेल, खेला की व्यापम जैसा घोटाला यहां भी हो गया। यहां यह मुहावरा पूरी तरह फिट बैठता है कि, ''अंधा बांटे रेवड़ी और अपने-अपनें को दे...'' रेवड़ी भी ऐसी बांटी की इन्हे पेटलावद नगर से कोई योग्य उम्मीद्वार ही नही मिले। लगभग 30 से 35 किलोमीटर दूर रह रहे नाते रिश्तेदारों की नियुक्ति की गई।

बिना विज्ञप्ति के हुई भर्ती, ज्यादातर संस्थाओं में एक या दो आवेदन

पेटलावद विकास खण्ड में अतिथि भर्ती में चौकाने वाली बात सामने आई है। यहां भर्ती के लिए बीइओ या बीआरसी कार्यालय से तो ठीक संस्था की ओर से भी कोई विज्ञप्ति जारी नही की गई। कई संस्थाओं में तो भर्ती के बाद आवेदकों को पता चला कि, भर्ती हो चुकी हैं। अधिकांश संस्थाओं द्वारा कोई भी विज्ञप्ति जारी नही की जाती और अन्य कोई अभ्यर्थी आजाये तो उसे यह कहकर भगा दिया जाता है कि, कोई पद रिक्त नही है और खुद की जान-पहचान वाले नाते-रिश्तेदारों या सेटिंग वालो को एक पद, एक आवदेन लेकर नियुक्ति दे दी गई। कई जगह पूर्व कार्यरत अतिथि शिक्षकों को भी दरकिनार करके अपनो को नियम विरूद्ध नियुक्तियां दी गई। तो कही मजबूरी में अधिक आवदेन लेना पड़े। वही अधिक अंक वाले दुसरे उम्मीद्वारों को हटाने का नया तरीका भी ईजाद कर लिया, जिसमे फर्जी रूप से असहमति बताकर कम अंक वाले रिश्तेदारों को नियुक्ति देकर खुद की नौकरी भी दाव पर लगा दी।

अतिथि भर्ती में सामने आया फर्जीवाड़ा, अतिथि की नोकरी करते हुए रेगुलर बीएड कैसे...?

शैक्षणिक सत्र में हुई अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियों से संबंधित विवाद लगातार सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को पेटलावद निवासी बाली भारद्वाज ने शासकीय मॉडल स्कूल पेटलावद में स्कूल प्रबन्धन पर आरोप लगाकर जिम्मेदारो के द्वारा अपने नाते-रिश्तेदारों और चहेतों को अतिथि शिक्षक पद नियुक्ति देकर भाई-भतीजावाद किया है। इस जानकारी का खुलासा आरटीआई की जानकारी में सामने आया है। साथ ही बिना विज्ञप्ति जारी किए अधिकांश पदो के लिए एक पद एक फार्म लेकर नियुक्तिया की गई है जो एक बड़ा सवाल पैदा कर रही हैं। इसी के साथ बाली भारद्वाज ने सीएम राइज विद्यालय में भी अभ्यर्थी नलिनी शुक्ला द्वारा फर्जी रूप से बीएड की डिग्री हासिल कर बीएड की डिग्री के जरिए स्कोर कार्ड में सौ नम्बर की वृद्धि करवाकर नियुक्ति पाकर मुझे नियुक्ति से वंचित कर दिया है। साथ ही प्राचार्य द्वारा जानबूझ कर नियुक्ति प्रोसिडिंग में मेरे नाम मे भी गोलमाल कर नाम ही बदल दिया गया। ये फर्जीवाड़ा भी आरटीआई की जानकारी मे सामने आया है। जिसमें शुक्ला द्वारा एक तरफ तो विद्यालय में अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य किया जाना बताया गया, वहीं उन्होंने अन्यत्र स्थान पर जाकर रेगुलर बीएड की डिग्री हासिल की जो पुरी तरह से फर्जीवाड़े को उजागर करता है। अब प्रश्न उठता है कि, एक अभ्यर्थी एक तरफ स्कूल जाकर नियमित रूप से सेवा दे रहा है तो दूसरी तरफ लगभग पचास किलो मीटर दूर रेग्युलर अपनी उपस्थिती देकर बीएड कॉलेज जाकर बीएड की डिग्री हासिल की, यह बात बिल्कुल भी किसी के गले नहीं उतरती हैं।

इस सम्बन्ध में प्राचार्य सहित खण्ड शिक्षा अधिकारी को शिकायती पत्र देकर जांच कर नियुक्ति देने का निवेदन किया हैं। मामले में सीएम राइज प्राचार्य पुरालाल चौहान ने शुक्ला का बचाव करते हुए हास्यस्पद जवाब देते हुए बताया कि, अतिथि शिक्षक द्वारा अनुमति लेकर बीएड किया है, साथ ही आनलाइन क्लासेस अटेंड कर बीएड की डिग्री हासिल की है; मैं इस संबंध में में कोई कार्यवाही नहीं कर सकता हूं। साहब के जवाब पर हंसी भी आती हैं और दुःख भी होता हैं के प्राचार्य को इतना सामान्य ज्ञान भी नहीं है क्योंकि अतिथि शिक्षक की योग्यता वृद्धि के लिए ना ही अनुमति ली जाती हैं और ना ही अनुमती दी जा सकती है।

कोरोना के बाद बीएड की रेगुलर क्लासेस हुई शुरू, शिक्षक भर्ती में बोनस अंक के लिए हो रहा पूरा खेल

जिस अभ्यर्थी द्वारा सत्र 20-21 और 21-22 में बीएड किया, कोरोना काल में ही केवल ऑन लाइन क्लास लगी थी बाकि समय तो रेगुलर कॉलेज लगे और पढ़ाई भी हुई। फिर नलिनी शुक्ला ने बिना कॉलेज गये ही बीएड की डिग्री हासिल कैसे कर ली...? वही उक्त आवदेन खण्ड शिक्षा अधिकारी को भी दिया है जिसके बाद उन्होंने जांच करवाने का आश्वासन दिया है। दरअसल, पूरा मामला अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षाकर्मी भर्ती परीक्षा के दौरान मिलने वाले बोनस अंक से जुड़ा हुआ है। कुछ महीनों पहले नवनियुक्त शिक्षकों को इस बोनस अंक का बड़ा फायदा मिला था। इसी बीच अतिथि शिक्षकों की महापंचायत में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनका मानदेय दोगुना करने की घोषणा कर दी। नियुक्ति से वंचित रहे युवक-युवतियों के आरोप हैं कि, शाला प्रभारियों द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी नहीं रखा जा रहा है और बगैर डिग्री योग्यता की जांच के केवल स्कोर कार्ड के आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं।

मॉडल स्कूल।

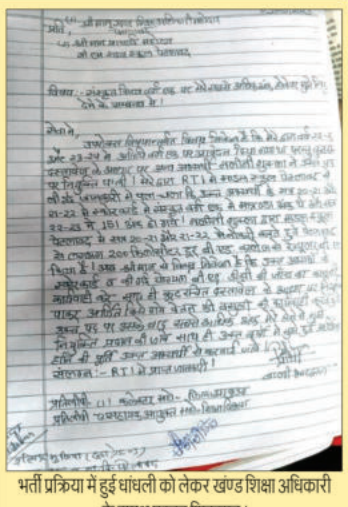

भर्ती प्रक्रिया में हुई धांधली को लेकर खण्ड शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत शिकायत।

शिकायतो पर नही कोई कार्रवाई, पालक शिक्षक संघ को हवा तक नही ओर हो जाते हैं हस्ताक्षर

पेटलावद विकास खण्ड में कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके है जिसमें शिकायत भी हुई पर कोई कार्रवाई नही हुई। सम्बन्धित प्राचार्यों से इस संबंध में शिकायत की जाती हैं तो कोई कार्यवाही नहीं करते है। दूसरी ओर संस्था के प्रभारी ओर नियुक्ति के लिए जिम्मेदार स्कूल के पालक शिक्षक संघ की बिना जानकारी के उनकी सहमति के हस्ताक्षर करवा लेते हैं। जांच के दौरान पूरी प्रक्रिया को वैध बताकर जिम्मेदार अपनी गर्दन बचा लेते हैं।

क्या है नियम... आनलाइन भर्ती को ताक में रखकर होता है सब काम

शासन के आदेशानुसार गत वर्ष में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को वरियता देना है। पूर्व से पैनल है तो नए आवेदन नहीं लेकर अगले नंबर वाले आवेदन को बुलाना है। यदि पैनल नहीं है तो विज्ञप्ति जारी कर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जो आवेदन आते हैं उनका पैनल बनाकर उच्चतम स्कोर वाले आवेदक को नियुक्त किया है। एसएमसी इस प्रक्रिया में नियुक्ति की भूमिका निभाती है। जिसमें अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति एवं सचिव शाला प्रभारी रहता है। नियमानुसार सचिव अपने सगे-संबंधी को नियुक्त नहीं कर सकता। शासन ने अतिथि शिक्षक भर्ती हेतु ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू कर रखा है जिंसमे सभी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। लेकिन सेटिंगबाज़ संस्था प्रभारी, अतिथि शिक्षक जिले के पोर्टल से उठाने बजाए सीधे संस्था के आवेदन से भर्ती कर लेते हैं। जिससे अधिक नम्बर वाले अभ्यर्थी वंचित होकर कम नम्बर वाले शिक्षक की भर्ती कर ली जाती हैं।

जांच की आवश्यकता

पेटलावद विकास खण्ड में पिछले तीन वर्षों में हुई अतिथि भर्ती की जांच की आवश्यकता है जिससे भाजपा की शिवराज सरकार में एक और बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है। संस्था के प्रभारी और प्राचार्य अपने मनमाने ढंग से शिक्षकों को नियम विरुद्ध इधर-उधर अटैच कर अतिथि भर्ती के लिए सीट खाली कर रहे हैं, तो कई संस्था, विभाग को अलग-अलग जानकारी भेज रही है। सीएम राइस स्कूल में ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। जिसका खुलासा ईमानदारी से होने वाली जांच में ही हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422